Test Date : 09 Jul 2022 **Test Slot :** Slot 1

Subject : Maithili

Sl. No.1
QBID:1501001

Consider the following table that embodies details about the percentage distribution of population of five states A-E on the basis of poverty line and gender. In accordance with the data in the table, answer the questions 1-5:

State-wise Distribution of Population

State	Percentage (%) of Population Below Poverty Line	Proportion of Males (M) and Females (F)	
		Below Poverty Line	Above Poverty Line
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

निम्नलिखित तालिका पर ध्यान दीजिए, जिसमें गरीबी-रेखा और जेन्डर (लिंग) के आधार पर A से E तक के पाँच राज्यों की जनसंख्या के प्रतिशत वितरण के बारे में विवरण दिया गया है। इस तालिका के आंकड़ो (डेटा) के अनुसार प्रश्न 1 से 5 तक के उत्तर दीजिए:

जनसंख्या का राज्य-वार वितरण :

राज्य	गरीबी-रेखा के नीचे जनसंख्या का प्रतिशत (%)	पुरुषों (M) और महिलाओं (F) का अनुपात	
		गरीबी रेखा से नीचे	गरीबी रेखा से ऊपर
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

What will be the number of females above poverty line in the state 'D', if it is known that the population of the state 'D' is 8 million?

(1) 3 million

(2) 2.83 million

(3) 2.63 million

(4) 2.43 million

राज्य - 'D' में गरीबी-रेखा से ऊपर महिलाओं की संख्या क्या होगी, यदि यह ज्ञात है कि राज्य 'D' की जनसंख्या 8 मिलियन है?

(1) 3 मिलियन

(2) 2.83 मिलियन

(3) 2.63 मिलियन

(4) 2.43 मिलियन

1[Option ID=10001]
2[Option ID=10002]
3[Option ID=10003]
4[Option ID=10004]

Sl. No.2
QBID:1501002

Consider the following table that embodies details about the percentage distribution of population of five states A-E on the basis of poverty line and gender. In accordance with the data in the table, answer the questions 1-5:

State-wise Distribution of Population

State	Percentage (%) of Population Below Poverty Line	Proportion of Males (M) and Females (F)	
		Below Poverty Line	Above Poverty Line
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

निम्नलिखित तालिका पर ध्यान दीजिए, जिसमें गरीबी-रेखा और जेन्डर (लिंग) के आधार पर A से E तक के पाँच राज्यों की जनसंख्या के प्रतिशत वितरण के बारे में विवरण दिया गया है। इस तालिका के आंकड़ो (डेटा) के अनुसार प्रश्न 1 से 5 तक के उत्तर दीजिए:

जनसंख्या का राज्य-वार वितरण :

राज्य	गरीबी-रेखा के नीचे जनसंख्या का प्रतिशत (%)	पुरुषों (M) और महिलाओं (F) का अनुपात	
		गरीबी रेखा से नीचे	गरीबी रेखा से ऊपर
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

If the male population above poverty line for state 'C' is 1.9 million, then what is the total population of state 'C'?

(1) 6.25 million

(2) 5.35 million

(3) 4.85 million

(4) 4.5 million

यदि राज्य - 'सी' की गरीबी-रेखा से ऊपर पुरुषों की जनसंख्या 1.9 मिलियन है तो राज्य - 'सी' की कुल जनसंख्या कितनी है?

(1) 6.25 मिलियन

(2) 5.35 मिलियन

(3) 4.85 मिलियन

(4) 4.5 मिलियन

1[Option ID=10005]
2[Option ID=10006]
3[Option ID=10007]
4[Option ID=10008]

Sl. No.3
QBID:1501003

Consider the following table that embodies details about the percentage distribution of population of five states A-E on the basis of poverty line and gender. In accordance with the data in the table, answer the questions 1-5:

State-wise Distribution of Population

State	Percentage (%) of Population Below Poverty Line	Proportion of Males (M) and Females (F)	
		Below Poverty Line	Above Poverty Line
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

निम्नलिखित तालिका पर ध्यान दीजिए, जिसमें गरीबी-रेखा और जेन्डर (लिंग) के आधार पर A से E तक के पाँच राज्यों की जनसंख्या के प्रतिशत वितरण के बारे में विवरण दिया गया है। इस तालिका के आंकड़ो (डेटा) के अनुसार प्रश्न 1 से 5 तक के उत्तर दीजिए:

जनसंख्या का राज्य-वार वितरण :

राज्य	गरीबी-रेखा के नीचे जनसंख्या का प्रतिशत (%)	पुरुषों (M) और महिलाओं (F) का अनुपात	
		गरीबी रेखा से नीचे	गरीबी रेखा से ऊपर
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

What will be the male population above poverty line for state 'A' if the female population below poverty line for state 'A' is 2.1 million?

(1) 2.3 million

(2) 3.3 million

(3) 4.4 million

(4) 6.6 million

राज्य - 'A' की गरीबी-रेखा से ऊपर पुरुषों की जनसंख्या क्या होगी, यदि राज्य 'A' की गरीबी-रेखा से नीचे महिलाओं की जनसंख्या 2.1 मिलियन है?

(1) 2.3 मिलियन

(2) 3.3 मिलियन

(3) 4.4 मिलियन

(4) 6.6 मिलियन

1[Option ID=10009]
2[Option ID=10010]
3[Option ID=10011]
4[Option ID=10012]

Sl. No.4
QBID:1501004

Consider the following table that embodies details about the percentage distribution of population of five states A-E on the basis of poverty line and gender. In accordance with the data in the table, answer the questions 1-5:

State-wise Distribution of Population

State	Percentage (%) of Population Below Poverty Line	Proportion of Males (M) and Females (F)	
		Below Poverty Line	Above Poverty Line
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

निम्नलिखित तालिका पर ध्यान दीजिए, जिसमें गरीबी-रेखा और जेन्डर (लिंग) के आधार पर A से E तक के पाँच राज्यों की जनसंख्या के प्रतिशत वितरण के बारे में विवरण दिया गया है। इस तालिका के आंकड़ो (डेटा) के अनुसार प्रश्न 1 से 5 तक के उत्तर दीजिए:

जनसंख्या का राज्य-वार वितरण :

राज्य	गरीबी-रेखा के नीचे जनसंख्या का प्रतिशत (%)	पुरुषों (M) और महिलाओं (F) का अनुपात	
		गरीबी रेखा से नीचे	गरीबी रेखा से ऊपर
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

If the population of males below poverty line for state 'B' is 2.4 million and that for state 'E' is 6 million, the total population of states 'B' and 'E' is in the ratio of _____.

(1) 2 : 5

(2) 2 : 7

(3) 3 : 7

(4) 4 : 9

यदि राज्य - B की गरीबी-रेखा से नीचे पुरुषों की जनसंख्या 2.4 मिलियन और राज्य - 'E' की 6 मिलियन है तो राज्य 'B' और 'E' की कुल जनसंख्या किस अनुपात में होगी?

(1) 2 : 5

(2) 2 : 7

(3) 3 : 7

(4) 4 : 9

1[Option ID=10013]
2[Option ID=10014]
3[Option ID=10015]
4[Option ID=10016]

Sl. No.5
QBID:1501005

Consider the following table that embodies details about the percentage distribution of population of five states A-E on the basis of poverty line and gender. In accordance with the data in the table, answer the questions 1-5:

State-wise Distribution of Population

State	Percentage (%) of Population Below Poverty Line	Proportion of Males (M) and Females (F)	
		Below Poverty Line	Above Poverty Line
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

निम्नलिखित तालिका पर ध्यान दीजिए, जिसमें गरीबी-रेखा और जेन्डर (लिंग) के आधार पर A से E तक के पाँच राज्यों की जनसंख्या के प्रतिशत वितरण के बारे में विवरण दिया गया है। इस तालिका के आंकड़ो (डेटा) के अनुसार प्रश्न 1 से 5 तक के उत्तर दीजिए:

जनसंख्या का राज्य-वार वितरण :

राज्य	गरीबी-रेखा के नीचे जनसंख्या का प्रतिशत (%)	पुरुषों (M) और महिलाओं (F) का अनुपात	
		गरीबी रेखा से नीचे	गरीबी रेखा से ऊपर
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

If the total population of state 'C' and state 'D' is 5 million and 7 million, respectively, then what is the difference in the population below poverty line in these two states?

(1) 0.30 million

(2) 0.23 million

(3) 0.13 million

(4) 0.11 million

यदि राज्य - 'C' और राज्य - 'D' की कुल जनसंख्या क्रमशः 5 मिलियन और 7 मिलियन है, तो इन दोनों राज्यों में गरीबी-रेखा से नीचे की जनसंख्या में अंतर क्या है?

(1) 0.30 मिलियन

(2) 0.23 मिलियन

(3) 0.13 मिलियन

(4) 0.11 मिलियन

1[Option ID=10017]
2[Option ID=10018]
3[Option ID=10019]
4[Option ID=10020]

Sl. No.6
QBID:1501006

Which of the following are correct regarding the process of learning?

(A) Remembering the information and reproducing it in examination.

(B) Synthesis and organisation of the old and new experiences resulting in a novel pattern

(C) Carrying out activities which leave permanent effect on the learner.

(D) Learning means acquisition, retention and modification of experience.

(E) Preparing only for scoring good marks.

Choose the correct answer from the options given below :

(1) (A), (B) and (C) only

(2) (B), (C) and (D) only

(3) (C), (D) and (E) only

(4) (B), (C), (D) and (E) only

अधिगम की प्रक्रिया के संबंध में निम्नलिखित में से कौन से सही हैं?

(A) सूचना को याद करना और उसे परीक्षा में पुनःप्रस्तुत करना

(B) पुराने और नये अनुभवों के संश्लेषण और संगठन के परिणाम स्वरूप अभिनव पैटर्न

(C) अधिगमकर्ता पर स्थायी प्रभाव छोड़ने वाले कार्य कलापों को आगे बढ़ाना

(D) अधिगम का आशय अनुभव का अधिग्रहण, प्रतिधारण और परिष्करण है

(E) केवल अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए तैयारी करना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) केवल (A), (B) और (C)

(2) केवल (B), (C) और (D)

(3) केवल (C), (D) और (E)

(4) केवल (B), (C), (D) और (E)

1[Option ID=10021]
2[Option ID=10022]
3[Option ID=10023]
4[Option ID=10024]

Sl. No.7
QBID:1501007

What is the full form of MOODLE, an open source Learning Management System (LMS)?

(1) Modular Object Oriented Digital Learning Environment

(2) Modular Object Oriented Dynamic Learning Environment

(3) MOOCs Oriented Digital Learning Environment

(4) Multiple Object Oriented Dynamic Learning Environment

मुक्त स्रोत अधिगम प्रबंधन प्रणाली (एल एम एस) मूडल (एम ओ ओ डी एल ई) का पूर्ण रूप क्या है?

(1) मॉड्यूलर ऑब्जक्ट ओरियन्टेड डिजिटल लर्निंग एन्वायरन्मेंट

(2) मॉड्यूलर ऑब्जेक्ट ओरियन्टेड डाइनेमिक लर्निंग एन्वायरन्मेंट

(3) मूक्स ओरियन्टेड डिजिटल लर्निंग एन्वायरन्मेंट

(4) मल्टीपल ऑब्जेक्ट ओरियन्टेड डाइनेमिक लर्निंग एन्वायरन्मेंट

1[Option ID=10025]
2[Option ID=10026]
3[Option ID=10027]
4[Option ID=10028]

Sl. No.8
QBID:1501008

Given below are two statements :

Statement I : Assesment drives learning.

Statement II : No feedback is required to be given in formative assessments.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

(1) Both Statement I and Statement II are correct

(2) Both Statement I and Statement II are incorrect

(3) Statement I is correct but Statement II is incorrect

(4) Statement I is incorrect but Statement II is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन (I) : आकलन अधिगम को प्रेरित करता है।

कथन (II) : रचनात्मक आकलनों में प्रतिपुष्टि देने की आवश्यकता नहीं है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

(1) कथन I और II दोनों सही हैं।

(2) कथन I और II दोनों गलत हैं।

(3) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।

(4) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

1[Option ID=10029]
2[Option ID=10030]
3[Option ID=10031]
4[Option ID=10032]

Sl. No.9
QBID:1501009

According to Dewry, education is a

(1) Social need

(2) Personal need

(3) Status need

(4) Financial need

ड्योरी के अनुसार शिक्षा है:

(1) सामाजिक आवश्यकता

(2) व्यक्तिगत आवश्यकता

(3) स्थिति (स्टेटस) आवश्यकता

(4) वित्तीय आवश्यकता

1[Option ID=10033]
2[Option ID=10034]
3[Option ID=10035]
4[Option ID=10036]

Sl. No.10
QBID:1501010

Pandit Madan Mohan Malaviya National Mission on Teachers and Teaching has various components. Which of the following is not a component under this scheme?

(1) Inter University Centres of UGC

(2) Faculty Development Centers (FDCs)

(3) Teaching Learning Centres (TLCs)

(4) School Of Education (SOE)

शिक्षकों एवं शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन के विभिन्न घटक हैं। निम्नलिखित में से कौन सा इस योजना का घटक नहीं है

(1) यू जी सी के अन्तर्विश्वविद्यालय केन्द्र

(2) फेकल्टी विकास केन्द्र (एफ डी सी)

(3) शिक्षण अधिगम केन्द्र (टी एल सी)

(4) शिक्षा संकाय (एस ओ ई)

1[Option ID=10037]
2[Option ID=10038]
3[Option ID=10039]
4[Option ID=10040]

Sl. No.11
QBID:1501011

Which of the following are the features of case study method?

(A) It is appreciative

(B) It is particularistic

(C) It is descriptive

(D) It is inductive

(E) It is mechanical

Choose the most appropriate answer from the options given below :

(1) (A), (B), (C) only

(2) (B), (C), (D) only

(3) (C), (D), (E) only

(4) (A), (D), (E) only

प्रकरण (केस) अध्ययन पद्धति की विशेषताएँ निम्नलिखित में से कौन सी हैं?

(A) यह प्रशंसनात्मक है।

(B) यह विशिष्टतापरक है।

(C) यह विवरणात्मक है।

(D) यह आगमनात्मक है।

(E) यह यांत्रिक है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त का चयन कीजिए :

(1) केवल (A), (B), (C)

(2) केवल (B), (C), (D)

(3) केवल (C), (D), (E)

(4) केवल (A), (D), (E)

1[Option ID=10041]
2[Option ID=10042]
3[Option ID=10043]
4[Option ID=10044]

Sl. No.12
QBID:1501012

Which of the following are remote data collection procedures?

(A) Third party interview
(B) Pop-ups
(C) Data base e-mail
(D) Instant messaging
(E) Panel discussions

Choose the correct answer from the options given below :

(1) (A), (B), (C) only

(2) (B), (C), (D) only

(3) (C), (D), (E) only

(4) (A), (B), (E) only

निम्नलिखित में से दूरस्थ आँकड़ा संग्रहण की प्रक्रियाएँ कौन सी हैं?

(A) थर्ड पार्टी इंटरव्यू (तृतीय पक्ष साक्षात्कार)
(B) पाप-अप्स
(C) डाटा बेस ईमेल
(D) इंस्टैन्ट मैसेजिंग (तात्कालिक संदेशन)
(E) पैनल डिस्कशन (नामिका परिचर्चा)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) केवल (A), (B), (C)

(2) केवल (B), (C), (D)

(3) केवल (C), (D), (E)

(4) केवल (A), (D), (E)

1[Option ID=10045]
2[Option ID=10046]
3[Option ID=10047]
4[Option ID=10048]

Sl. No.13
QBID:1501013

To perform t-test which of the following softwares can be utilized?

(A) MS Excel
(B) Unix
(C) SPSS
(D) MS Equations

Choose the most appropriate answer from the options given below :

(1) (A) and (B) only

(2) (B), (C) and (D) only

(3) (A) and (C) only

(4) (A), (C) and (D) only

टी–परीक्षण करने हेतु निम्नलिखित में से कौन सा सॉफ्टवेयर प्रयुक्त किया जा सकता है?

(A) एम. एस. एक्सेल
(B) यूनिक्स
(C) एस पी एस एस
(D) एम. एस. इक्वेशन्स

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) केवल (A) और (B)

(2) केवल (B), (C) और (D)

(3) केवल (A) और (C)

(4) केवल (A), (C) और (D)

1[Option ID=10049]
2[Option ID=10050]
3[Option ID=10051]
4[Option ID=10052]

Sl. No.14
QBID:1501014

Match List I with List II

List I Types of Research		List II Research Characteristic	
(A)	Cohort analysis	(I)	Study of a specific population as it undergoes change over time.
(B)	Cultivation analysis	(II)	Simultaneous analysis of two or more data tables.
(C)	Factor analysis	(III)	Analysis of perceptions of social world.
(D)	Canonical analysis	(IV)	A multivariate statistical test used for data reduction.

Choose the correct answer from the options given below :

(1) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)

(2) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

(3) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)

(4) (A)-(I), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(II)

सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए :

सूची-I शोध के प्रकार	सूची-II शोध की विशेषताएं
(A) सहगण विश्लेषण	(I) समय के साथ बदलती हुई, एक विशेष जनसँख्या का अध्ययन
(B) कल्टीवेशन (संस्कृति) विश्लेषण	(II) दो या अधिक आँकड़ा सारणियों का साथ-साथ विश्लेषण
(C) कारक विश्लेषण	(III) सामाजिक जगत के प्रत्यक्षण का विश्लेषण
(D) प्रामाणिक विश्लेषण	(IV) आँकड़ों के लघुकरण हेतु बहुचर साँख्यिकीय परीक्षण

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)

(2) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

(3) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)

(4) (A)-(I), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(II)

1[Option ID=10053]
2[Option ID=10054]
3[Option ID=10055]
4[Option ID=10056]

Sl. No.15
QBID:1501015

The measures of inter-coder reliability are employed in research related to

(1) Discourse analysis

(2) Narrative analysis

(3) Path analysis

(4) Content analysis

इंटर-कोडर विश्वसनीयता के मानदंडों का प्रयोग निम्न से संबंधित शोध में होता है:

(1) विमर्श विश्लेषण

(2) वृत्तांत विश्लेषण

(3) पथ विश्लेषण

(4) विषय-वस्तु विश्लेषण

1[Option ID=10057]
2[Option ID=10058]
3[Option ID=10059]
4[Option ID=10060]

Sl. No.16
QBID:1501016

Transforming ideas, thoughts and messages into verbal and non-verbal signs and symbols is known as

(1) Channelisation

(2) Controlled communication

(3) Encoding

(4) Decoding

धारणाओं, विचारों और संदेशों का मौखिक एवं गैर-मौखिक प्रतीकों में रूपांतरण किस नाम से जाना जाता है ?

(1) मार्गीकरण (चैनेलाइजेशन)

(2) नियंत्रित सम्प्रेषण

(3) कूटलेखन

(4) विकूटन

1[Option ID=10061]
2[Option ID=10062]
3[Option ID=10063]
4[Option ID=10064]

Sl. No.17
QBID:1501017

Which of the following are the effects of oral communication?

(A) Fragmented information
(B) Personal connect
(C) Feed back
(D) Objectivity
(E) Absence of interpretation

Choose the correct answer from the options given below :

(1) (A) and (B) only

(2) (A), (B) and (C) only

(3) (B) and (C) only

(4) (C), (D) and (E) only

निम्नलिखित में से कौन से मौखिक सम्प्रेषण के प्रभाव हैं?

(A) खंडात्मक सूचना
(B) वैयक्तिक संबंध
(C) प्रतिपुष्टि (फीडबैक)
(D) वस्तुनिष्ठता
(E) व्याख्या का अभाव

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) केवल (A) और (B)

(2) केवल (A), (B) और (C)

(3) केवल (B) और (C)

(4) केवल (C), (D) और (E)

1[Option ID=10065]
2[Option ID=10066]
3[Option ID=10067]
4[Option ID=10068]

Sl. No.18
QBID:1501018

Given below are two statements :

Statement I : The psychological obstacle in communication can be seen when the receiver fails to refer language to reality and experience.

Statement II : The stereotypes held by one also contribute to the failure of language to reflect social reality.

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below:

(1) Both Statement I and Statement II are true

(2) Both Statement I and Statement II are false

(3) Statement I is true but Statement II is false

(4) Statement I is false but Statement II is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन (I) : सम्प्रेषण में मनोवैज्ञानिक बाधा तब देखी जा सकती है, जब ग्रहणकर्ता यथार्थ एवं अनुभव को भाषा का संदर्भ देने में विफल रहता है।

कथन (II) : किसी व्यक्ति के रूढ़ प्ररूप सामाजिक यथार्थता को प्रतिबिंबित करने में भाषा की विफलता में भी योगदान करते हैं।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) कथन I और II दोनों सत्य हैं।

(2) कथन I और II दोनों असत्य हैं।

(3) कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।

(4) कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

1[Option ID=10069]
2[Option ID=10070]
3[Option ID=10071]
4[Option ID=10072]

Sl. No.19
QBID:1501019

Identify the correct sequence of the elements of communication set by Aristotle:

(A) Speech
(B) Speaker
(C) Audience
(D) Occasion
(E) Effect

Choose the correct answer from the options given below :

(1) (A), (D), (B), (C), (E)

(2) (D), (B), (A), (E), (C)

(3) (C), (D), (A), (E), (B)

(4) (B), (A), (D), (C), (E)

अरस्तू द्वारा निर्धारित सम्प्रेषण के तत्वों के सही क्रम की पहचान कीजिए :

(A) भाषण
(B) वक्ता
(C) श्रोता
(D) अवसर
(E) प्रभाव

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) (A), (D), (B), (C), (E)

(2) (D), (B), (A), (E), (C)

(3) (C), (D), (A), (E), (B)

(4) (B), (A), (D), (C), (E)

1[Option ID=10073]
2[Option ID=10074]
3[Option ID=10075]
4[Option ID=10076]

Sl. No.20
QBID:1501020

Match List I with List II :

List I Types of Communication Effects		List II Source of Service	
(A)	Instrumental	(I)	Author's observation
(B)	Prestige	(II)	A range of special requests
(C)	Reinforcement	(III)	Sentimental fiction
(D)	Aesthetic	(IV)	Factual reports

Choose the correct answer from the options given below:

(1) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

(2) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)

(3) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I)

(4) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(III)

सूची I के साथ सूची II का मिलान कीजिए।

सूची I सम्प्रेषण के प्रभाव के प्रकार		सूची II सेवा का स्रोत	
(A)	सहायक	(I)	लेखक का अवलोकन
(B)	प्रतिष्ठा	(II)	विशेष अनुरोधों की एक रेन्ज
(C)	पुनर्बलन	(III)	भावपूर्ण कथा–साहित्य
(D)	सौंदर्यपरक	(IV)	तथ्यात्मक रिपोर्टें

दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

(2) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)

(3) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I)

(4) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(III)

1[Option ID=10077]
2[Option ID=10078]
3[Option ID=10079]
4[Option ID=10080]

Sl. No.21
QBID:1501021

Find the wrong term in the series given below:

16, 22, 30, 45, 52, 66, ...

(1) 22

(2) 30

(3) 66

(4) 45

नीचे दी गई श्रृंखला में गलत पद का पता लगाइए?

16, 22, 30, 45, 52, 66, ...

(1) 22

(2) 30

(3) 66

(4) 45

1[Option ID=10081]
2[Option ID=10082]
3[Option ID=10083]
4[Option ID=10084]

Sl. No.22
QBID:1501022

If the word EARTH be written as QPMZS in coded form, how can the word HEART be written in the same code?

(1) SPMZQ

(2) SQMPZ

(3) SPMQZ

(4) SQPMZ

यदि शब्द - EARTH को कूट रूप में QPMZS लिखा जाता है तो HEART को उसी कूट में किस प्रकार लिखा जा सकता है?

(1) SPMZQ

(2) SQMPZ

(3) SPMQZ

(4) SQPMZ

1[Option ID=10085]
2[Option ID=10086]
3[Option ID=10087]
4[Option ID=10088]

Sl. No.23
QBID:1501023

Compute the value of $\frac{(0.35)^2-(0.03)^2}{0.19}$ upto 3 decimal places:

(1) 0.064

(2) 0.64

(3) 0.006

(4) 0.694

$\frac{(0.35)^2-(0.03)^2}{0.19}$ के मान की दशमलव के तीन स्थानों तक गणना कीजिए।

(1) 0.064

(2) 0.64

(3) 0.006

(4) 0.694

1[Option ID=10089]
2[Option ID=10090]
3[Option ID=10091]
4[Option ID=10092]

Sl. No.24
QBID:1501024

10 chairs and 5 tables were purchased for Rs. 17,500. If the average cost of a chair is Rs.1000, What is the average cost of a table?

(1) Rs. 1,400

(2) Rs. 1,200

(3) Rs. 1,100

(4) Rs. 1,500

10 कुर्सियाँ और 5 मेजों को रु 17,500 में खरीदा गया। यदि एक कुर्सी की औसत कीमत 1000 रु है; तब एक मेज की कीमत औसत क्या है?

(1) रु. 1,400

(2) रु. 1,200

(3) रु. 1,100

(4) रु. 1,500

1[Option ID=10093]
2[Option ID=10094]
3[Option ID=10095]
4[Option ID=10096]

Sl. No.25
QBID:1501025

An Aeroplane started 30 minutes later than the scheduled time from a place 1500 km away from its destination. To reach the destination at the scheduled time the pilot needed to increase the speed by 250 km/hr. What was the speed of the Aeroplane during journey? (in km/hr).

(1) 750

(2) 1000

(3) 800

(4) 900

एक हवाई जहाज ने अपने गंतव्य से 1500 कि.मी. की दूरी पर किसी स्थान से अपने निर्धारित समय से 30 मिनट की देरी से उड़ना प्रारंभ किया। अपने गंतव्य पर निर्धारित समय से पहुँचने हेतु पायलट को गति में 250 किमी. प्रति घंटे की दर से वृद्धि करनी आवश्यक हुयी। यात्रा के दौरान हवाई जहाज की गति कितनी थी (किमी./घंटा में)?

(1) 750

(2) 1000

(3) 800

(4)

900

1[Option ID=10097]
2[Option ID=10098]
3[Option ID=10099]
4[Option ID=10100]

Sl. No.26
QBID:1501026

In classical square of opposition if 'No S is P' is given as false then which of the following could be immediately inferred from it?

(A) 'Some S is not P' is true

(B) 'All S is P' is undetermined

(C) 'Some S is not P' is undetermined

(D) 'Some S is P' is true

(E) 'Some S is not P' is false

Choose the correct answer from the options given below :

(1) (B), (D) and (E) only

(2) (A), (B) and (D) only

(3) (A), (D) and (E) only

(4) (B), (C) and (D) only

वियुति के क्लासिकीय वर्ग में यदि 'कोई S, P नहीं है', असल के रूप में दिया हो तब निम्नलिखित में से इससे कौन-सा सीधे तौर पर अनुमान लगाया जा सकता है।

(A) 'कुछ S, P नही है', सत्य है

(B) 'सभी S, P है', अनिर्धारित है।

(C) 'कुछ S, P नही है', अनिर्धारित है।

(D) 'कुछ S, P है', सही है

(E) 'कुछ S, P नही है', गलत है

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) केवल (B), (D) और (E)

(2) केवल (A), (B) और (D)

(3) केवल (A), (D) और (E)

(4) केवल (B), (C) और (D)

1[Option ID=10101]

2[Option ID=10102]
3[Option ID=10103]
4[Option ID=10104]

Sl. No.27
QBID:1501027

Which Fallacy is committed in the following argument?

"Smooth Sailing is all that's there to LIFE with ABC Insurance Policy."

(1) The Appeal to Emotion

(2) The Appeal to Pity

(3) The Appeal to Force

(4) Irrelevant Conclusion

निम्नलिखित युक्ति में कौन-सा दोष व्याप्त है?

''ए बी सी बीमा पॉलिसी के साथ जीवन-यापन सुगम होता है''

(1) भावना के लिए आग्रह

(2) दया के लिए आग्रह

(3) बल के लिए आग्रह

(4) अप्रासंगिक निष्कर्ष

1[Option ID=10105]
2[Option ID=10106]
3[Option ID=10107]
4[Option ID=10108]

Sl. No.28
QBID:1501028

Given below are two statements :

Statement I : To draw an analogy between two or more entities is to indicate one or more respects in which they are similar.

Statement II : Everry analogical inference proceeds from the similarity of two or more things in one or more respects to the similarity of those things in some further respect.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

(1) Both Statement I and Statement II are correct

(2) Both Statement I and Statement II are incorrect

(3) Statement I is correct but Statement II is incorrect

(4) Statement I is incorrect but Statement II is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन (I) : दो या अधिक सत्ताओं के मध्य अनुरूपता को बनाना एक या अधिक पहलुओं में उनकी समानता की तरफ इंगित करता है।

कथन (II) : प्रत्येक सादृश्यमूलक अनुमान एक या उससे अधिक पहलुओं में दो या उससे अधिक वस्तुओं की समानता से उन वस्तुओं के किसी अतिरिक्त पहलू की समानता की ओर अग्रसर होता है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

(1) कथन I और II दोनों सही हैं।

(2) कथन I और II दोनों गलत हैं।

(3) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।

(4) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

1[Option ID=10109]
2[Option ID=10110]
3[Option ID=10111]
4[Option ID=10112]

Sl. No.29
QBID:1501029

Given below are two statements :

Statement I : For the Classical Indian thinkers, inference (anumāna) means only syllogistic inference.

Statement II : Unlike Aristotelian Syllogism, anumāna involves four steps instead of three.

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below:

(1) Both Statement I and Statement II are true

(2) Both Statement I and Statement II are false

(3) Statement I is true but Statement II is false

(4) Statement I is false but Statement II is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन (I) : क्लासिकी भारतीय चिंतको के लिए अनुमान का अर्थ केवल न्यायबद्ध अनुमान से है।

कथन (II) : अरस्तूवादी न्यायवाक्य से विपरीत अनुमान में तीन के बजाय चार चरण शामिल होते हैं।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) कथन I और II दोनों सत्य हैं।

(2) कथन I और II दोनों असत्य हैं।

(3) कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।

(4) कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

1[Option ID=10113]
2[Option ID=10114]
3[Option ID=10115]
4[Option ID=10116]

Sl. No.30
QBID:1501030

Which of the following means of knowledge involves positing of something for making any unit of cognition self-complete?

(1) Comparison (Upamāna)

(2) Postulation (Arthāpatti)

(3) Non-Cognition (Anupalabdhi)

(4) Verbal Testimony (Śabda)

ज्ञान के निम्नलिखित साधनों में से किस में बोध की कोई भी ईकाई की स्वपूर्णता निर्मित करने हेतु कुछ मान लेना शामिल होता है?

(1)

उपमान

(2) अर्थापत्ति

(3) अनुपलब्धि

(4) शब्द

1[Option ID=10117]
2[Option ID=10118]
3[Option ID=10119]
4[Option ID=10120]

Sl. No.31
QBID:1501031

With respect to data communication, which of the following statements is true about fibre optic cable?

(1) Fibre optic cable carries data in pulses of light and is prone to interference.

(2) Fibre optic cable carries data as electronic signals and is not prone to interference.

(3) Fibre optic cable carries data as electronic signals and is prone to interference.

(4) Fibre optic cable carries data in pulses of light and is not prone to interference.

डाटा (आँकड़ा) संचार के संदर्भ में, फाइबर ऑप्टिक केबल के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(1) फाइबर ऑप्टिक केबल प्रकाश स्पंद में आँकड़े ले जाता है और यह व्याघात उन्मुख है।

(2) फाइबर ऑप्टिक केबल इलैक्ट्रॉनिक संकेतकों के रूप में आँकड़े ले जाता है और यह व्याघात उन्मुख है।

(3) फाइबर ऑप्टिक केबल इलैक्ट्रॉनिक संकेतकों के रूप में आँकड़े ले जाता है और यह व्याघात उन्मुख है।

(4) फाइबर ऑप्टिक केबल प्रकाश स्पंद में आँकड़े ले जाता है और यह व्याघात उन्मुख नहीं है।

1[Option ID=10121]
2[Option ID=10122]
3[Option ID=10123]
4[Option ID=10124]

Sl. No.32
QBID:1501032

Arrange the following computer memory types from fastest to slowest speed:

(A) Hard Disk

(B) Main Memory (RAM)

(C) CD-ROM

(D) CPU Registers

(E) Cache Memory

Choose the correct answer from the options given below :

(1) (D), (E), (A), (B), (C)

(2) (A), (C), (B), (D), (E)

(3) (E), (D), (B), (A), (C)

(4) (D), (E), (B), (A), (C)

कंप्यूटर स्मृति के निम्नलिखित प्रकारों को तीव्रतम से मंदगति के क्रम में लिखिए :

(A) हार्ड डिस्क

(B) मुख्य स्मृति (आर ए एम)

(C) सी डी – आर ओ एम

(D) सी पी यू रजिस्टर

(E) काशे स्मृति (काशे मेमोरी)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) (D), (E), (A), (B), (C)

(2) (A), (C), (B), (D), (E)

(3) (E), (D), (B), (A), (C)

(4) (D), (E), (B), (A), (C)

1[Option ID=10125]
2[Option ID=10126]
3[Option ID=10127]
4[Option ID=10128]

Sl. No.33
QBID:1501033

Which of the following statements about malware are true?

(A) A Trojan Horse is malware disguised as legitimate software.

(B) A Virus inserts itself into another program. It runs and spreads itself when the program is opened.

(C) A worm is similar to a virus except that it does not need a program in order to run. It spreads by itself.

Choose the correct answer from the options given below :

(1) (A) and (B) only

(2) (A) and (C) only

(3) (B) and (C) only

(4) (A), (B) and (C)

माल्वेयर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन सा कथन सही है?

(A) ट्रोजन हॉर्स एक मालवेयर है जो वैध सॉफ्टवेयर के छद्मवेश में होता है।

(B) वाइरस किसी दूसरे प्रोग्राम में स्वयं घुस जाता है। जब प्रोग्राम खोला जाता है तो यह इसमें चलने और फैलने लगता है।

(C) कृमि एक वायरस के समान होता है। इसमें अंतर सिर्फ यह होता है कि इसको चलने के लिए प्रोग्राम की आवश्यकता नहीं होती। यह स्वयं फैलता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) केवल (A) और (B)

(2) केवल (A) और (C)

(3) केवल (B) और (C)

(4) केवल (A), (B) और (C)

1[Option ID=10129]
2[Option ID=10130]
3[Option ID=10131]
4[Option ID=10132]

Sl. No.34
QBID:1501034

Match List I with List II

List I (File)		List II (File Format)	
(A)	Video	(I)	.xlsx
(B)	Podcast	(II)	.jpg
(C)	Photograph	(III)	.mp4
(D)	Spreadsheet	(IV)	.mp3

Choose the correct answer from the options given below :

(1) (A)-(III), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(I)

(2) (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(I)

(3) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)

(4) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(III)

सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए :

सूची-I फाइल		सूची-II फाइल फार्मेट	
(A)	वीडियो	(I)	.एक्सएलएसएक्स
(B)	पोडकास्ट	(II)	.जेपीजी
(C)	फोटोग्राफ	(III)	.एमपी4
(D)	स्प्रैडशीट	(IV)	.एमपी3

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) (A)-(III), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(I)

(2) (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(I)

(3) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)

(4) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(III)

1[Option ID=10133]
2[Option ID=10134]
3[Option ID=10135]
4[Option ID=10136]

Sl. No.35
QBID:1501035

In the following spreadsheet, which of the formulae below would be best for cell C2? Note that the formula must be able to be copied down from C2 to both C3 and C4.

	A	B	C
1	Lunch Cost (Rs.)	Dinner Cost (Rs.)	Total Cost (Rs.)
2	15	27	42
3	23	35	58
4	10	35	45

(1) = A$2 + $B2

(2) = A2 + B2

(3) = A2 + B2

(4) = $A2 + $B2

निम्नलिखित विस्तार शीट (स्प्रेडशीट) में, निम्नलिखित में कौन-सा सूत्र (फार्मूला) सेल सी 2 के लिए सर्वोत्तम रहेगा ? नोट करें कि फॉर्मूला, सी 2 से सी 3 और सी 4 दोनों में कॉपी हो सके।

	ए	बी	सी
1	मध्यान्ह भोजन लागत (रु.)	रात्रि भोजन लागत (रु.)	कुल लागत (रु.)
2	15	27	42
3	23	35	58
4	10	35	45

(1) = ए$2 + $बी2

(2) = $ए$2 + बी2

(3) = $ए$2 + $बी$2

(4) = $ए2 + $बी2

1[Option ID=10137]
2[Option ID=10138]
3[Option ID=10139]
4[Option ID=10140]

Sl. No.36
QBID:1501036

Given below are two statements : One is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R) :

Assertion (A) : Soil Pollution due to detergents affects the root growth of the plants and depresses the growth of soil micro-organisms.

Reason (R) : Presence of detergents in soil makes the soil more acidic.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below :

(1) Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A)

(2) Both (A) and (R) are correct but (R) is NOT the correct explanation of (A)

(3) (A) is correct but (R) is not correct

(4) (A) is not correct but (R) is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में :

अभिकथन (A) : अपमार्जकों (डिटरजेंट) के कारण हुए मृदा प्रदूषण से पौधों के मूल विकास पर प्रभाव पड़ता है और मृदा की सूक्ष्क जीवों के विकास को भी कम कर देता है।

कारण (R) : मृदा में डिटरजेंट की उपस्थिति मृदा को अधिक अम्लीय बना देता है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(2) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(3) (A) सही है, लेकिन (R) सही नहीं है।

(4) (A) सही नहीं है, लेकिन (R) सही है।

1[Option ID=10141]
2[Option ID=10142]
3[Option ID=10143]
4[Option ID=10144]

Sl. No.37
QBID:1501037

Examples of Persistant Organic Pollutants (POPs) are:

(A) Dioxins

(B) PAN

(C) VOC

(D) FURANS

(E) PCB

Choose the correct answer from the options given below :

(1) (A), (D), (E) only

(2) (A), (B), (D) only

(3) (B), (C), (E) only

(4) (C), (D), (E) only

सतत जैव प्रदूषकों (POPs) के उदाहरण हैं :

(A) डायोक्सिन्स

(B) पीएएन (PAN)

(C) वी ओ सी (VOC)

(D) फ्यूरांस

(E) पी सी बी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) केवल (A), (D), (E)

(2) केवल (A), (B), (D)

(3) केवल (B), (C), (E)

(4) केवल (C), (D), (E)

1[Option ID=10145]
2[Option ID=10146]
3[Option ID=10147]
4[Option ID=10148]

Sl. No.38
QBID:1501038

In the first commitment period of Kyoto Protocol, how many green house gases were covered for reducing their emissions?

(1) 4

(2) 5

(3) 6

(4) 7

क्योटो प्रोटोकॉल की प्रथम प्रतिबद्धता अवधि में कितने ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए आवरित किया गया था?

(1) 4

(2) 5

(3) 6

(4) 7

1[Option ID=10149]
2[Option ID=10150]
3[Option ID=10151]
4[Option ID=10152]

Sl. No.39
QBID:1501039

Given below are two statements : One is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R) :

Assertion (A) : Green hydrogen production will be critical for world community to achieve carbon neutrality by the year 2050.

Reason (R) : The energy content of hydrogen gas is much higher than that of coal.

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below :

(1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)

(2) Both (A) and (R) are true but (R) is NOT the correct explanation of (A)

(3) (A) is true but (R) is false

(4) (A) is false but (R) is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में :

अभिकथन (A) : विश्व समुदाय के लिए 2050 तक कार्बन निरपेक्षता प्राप्त करने हेतु हरित हाइड्रोजन का उत्पादन निर्णायक होगा।

कारण (R) : इाइड्रोजन गैस की ऊर्जा मात्रा कोयले की अपेक्षा बहुत अधिक होती है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(2) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(3) (A) सत्य है, लेकिन (R) असत्य नहीं है।

(4) (A) असत्य है, लेकिन (R) सत्य है।

1[Option ID=10153]
2[Option ID=10154]
3[Option ID=10155]
4[Option ID=10156]

Sl. No.40
QBID:1501040

Since the start of industrial revolution, the acidity of ocean's surface water has

(1) increased by ~10%

(2) remained constant

(3) decreased by ~25%

(4) increased by ~30%

औद्योगिक क्रांति की शुरुआत से समुद्र के सतही जल की अम्लता–

(1) ~10% बड़ गयी है

(2) यथावत है

(3) ~25% कम हो गयी है

(4)

~30% बढ़ गयी है

1[Option ID=10157]
2[Option ID=10158]
3[Option ID=10159]
4[Option ID=10160]

Sl. No.41
QBID:1501041

A Government University with Institute of Eminence status can have foreign faculty upto a maximum of

(1) 20% of total faculty strength

(2) 25% of total faculty strength

(3) 30% of total faculty strength

(4) 35% of total faculty strength

लब्ध प्रतिष्ठित संस्थान की स्थिति प्राप्त शासकीय विश्वविद्यालय में अधिकतम कितने विदेशी शिक्षक रखे जा सकते हैं?

(1) कुल शिक्षकों की संख्या का 20%

(2) कुल शिक्षकों की संख्या का 25%

(3) कुल शिक्षकों की संख्या का 30%

(4) कुल शिक्षकों की संख्या का 35%

1[Option ID=10161]
2[Option ID=10162]
3[Option ID=10163]
4[Option ID=10164]

Sl. No.42
QBID:1501042

Credits earned by a student and stored in Academic Bank of Credit, after the date of earning such credits, will have validity upto a maximum of

(1) 7 years

(2) 10 years

(3) 12 years

(4) 15 years

किसी छात्र द्वारा अर्जित और अकादमिक क्रेडिट बैंक में जमा क्रेडिट, प्राप्त करने की तिथि के पश्चात, अधिकतम कब तक के लिये वैध होंगे?

(1) 7 वर्षों के लिए

(2) 10 वर्षों के लिए

(3) 12 वर्षों के लिए

(4) 15 वर्षों के लिए

1[Option ID=10165]
2[Option ID=10166]
3[Option ID=10167]
4[Option ID=10168]

Sl. No.43
QBID:1501043

Identify the statutory bodies of a University:

(A) Board of studies

(B) Academic Council

(C) Executive Council

(D) Finance Committee

(E) University Court

Choose the correct answer from the options given below :

(1) (A), (B), (C), (D) only

(2) (A), (C) only

(3) (A), (C), (E) only

(4) (B), (C), (D), (E) only

विश्वविद्यालय के सांविधिक निकायों को चिन्हित कीजिए :

(A) अध्ययन मंडल

(B) शैक्षिक परिषद

(C) कार्यकारी परिषद

(D) वित्त समिति

(E) विश्वविद्यालय कोर्ट

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) केवल (A), (B), (C), (D)

(2) केवल (A), (C)

(3) केवल (A), (C), (E)

(4) केवल (B), (C), (D), (E)

1[Option ID=10169]
2[Option ID=10170]
3[Option ID=10171]
4[Option ID=10172]

Sl. No.44
QBID:1501044

Environmental education must be integral to all academic programmes as students need to be mainly sensitized about

(1) its interdisciplinary and multidisciplinary nature

(2) its emergence as a specialized field

(3) relationship between culture and environment

(4) environmental degradation and its consequences for life on earth

पर्यावरणी शिक्षा आवश्यक रूप से सभी शैक्षिक कार्यक्रमों का अनिवार्य अंग होना चाहिए जिससे छात्रों को निम्न के बारे में मुख्यतः जागरुक बनाया जा सके:

(1) इसकी अंतर्विषयी और बहुविषयी प्रकृति

(2) इसका विशेष क्षेत्र के रूप में आविर्भाव

(3) संस्कृति और पर्यावरण के मध्य संबंध

(4) पर्यावरणी निम्नीकरण और पृथ्वी पर जीवन के लिए इसका परिणाम

1[Option ID=10173]
2[Option ID=10174]
3[Option ID=10175]
4[Option ID=10176]

Sl. No.45
QBID:1501045

'How could a lamp, which does not keep on burning, light another lamp?' This statement is from the book titled 'Siksha (learning). Who among the following is the author of this book?

(1) Rabindranath Tagore

(2) Sarvapalli Radhakrishnan

(3) Jyoti Phule

(4) Savitribai Phule

'कोई दीपक जब स्वयं नहीं जल रहा है, किसी अन्य दीपक को कैसे जला सकता है?' यह कथन शिक्षा (सीखना) शीर्षक पुस्तक से है। निम्नलिखित में से इस पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(1) रबीन्द्रनाथ टैगार

(2) सर्वपल्ली राधाकृष्णन

(3) ज्योतिबा फुले

(4) सावित्री बाई फुले

1[Option ID=10177]
2[Option ID=10178]
3[Option ID=10179]
4[Option ID=10180]

Sl. No.46
QBID:1501046

Read the following passage and answer the questions :

An essential function of hegemony involves convincing people to support the existence of a social system that does not support them in return. Marginalised groups do not often protest or revolt against ideologies that overwhelmingly support privileged groups because, on some level, they consent to being dominated. This statement prompts an immediate question: Why would anyone consent to such an arrangement? While dominant ideologies may reflect the desires and interests of socially powerful groups, for these ideologies to remain dormant or hegemonic, they must also feature an additional promise. It is in the best interest of the marginalized groups to accept these beliefs as well. Put another way, members of socially powerful groups act to have their world view accepted as the universal way of thinking, and members outside these groups come to accept some of these ideologies because they appear beneficial in some way. This is referred to as a process of spontaneous consent because it is typically informal or unnoticed. The best way to understand the spontaneous consent of hegemony is through an example. A number of ideological components within a nation's higher education system may not be in the best interests of students. One dominant belief suggests that college students should pay for their own education. Despite being affected by the belief, they accept it, and the ideology survives. When such consent fails, however, the concept of hegemony also explains how dominant ideologies evolve to contain this failure through a process of flexible appropriation. In such a situation, it is likely that dominant cultural institutions will absorb any challenging beliefs, integrate them into the hegemonic matrix, and re-establish the previous norm. As a result, hegemonic systems never go away. They simply change form through a process of constant give and take between social group. Hegemonic ideological structures maintain control in part through the never-ending process of integration and appropriation of marginalised ideologies.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्न संख्या 46 से 50 तक के उत्तर दीजिए :

आधिपत्य के एक आवश्यक कार्य में एक सामाजिक व्यवस्था के अस्तित्व के प्रति समर्थन देने के लिए लोगों को आश्वस्त करना शामिल है, जो बदले में उनका समर्थन नहीं करती है। सीमांत समूह प्रायः उन विचारधाराओं का विरोध या उनके प्रति विद्रोह नहीं करते, जो विशेषाधिकार-प्राप्त समूहों का अत्याधिक समर्थन करती हैं, क्योंकि वे किसी स्तर पर आधिपत्य जमाने देने पर सहमत होने दे रहे होते हैं। इस कथन से तत्काल प्रश्न खड़ा होता है। कोई भी व्यक्ति क्यों इस प्रकार की व्यवस्था के प्रति सहमत होता है? जबकि वर्चस्वकारी विचारधाराएं सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूहों की इच्छाओं और हितों को प्रतिबिंबित करती हैं, इन विचारधाराओं के प्रसुप्त या आधिपत्यवादी बने रहने के लिए उनमें एक अतिरिक्त वचन देने की विशेषता भी आवश्यक है। सीमांत समूहों का श्रेष्ठ हित इन धारणाओं को स्वीकार करने में भी है। अन्य तरीके से कहा जाए तो सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूह उनके वैश्विक दृष्टिकोण को सार्वभौमिक चिंतन के तरीके के रूप में स्वीकार करने के लिए कार्य करते हैं और इन समूहों के बाहर के सदस्य इन विचारधाराओं को स्वीकार करने लगते हैं क्योंकि ये उन्हें किसी तरीके से लाभप्रद लगती हैं। इसे स्वतः स्फूर्त सहमति की एक प्रक्रिया के रूप में संदर्भित किया जाता है क्योंकि यह विशिष्ट रूप से अनौपचारिक है या उस पर ध्यान नहीं जाता। आधिपत्य के प्रति स्वतः स्फूर्त सहमति को एक उदाहरण के माध्यम से श्रेष्ठ तरीके से समझा जा सकता है। किसी देश की उच्च शिक्षा प्रणाली के भीतर अनेक वैचारिक घटक विद्यार्थियों के सर्वोत्तम हितों में नहीं हो सकते हैं। एक वर्चस्वकारी धारणा सुझाती है कि कॉलेज के विद्यार्थियों को अपनी स्वयं की शिक्षा का भुगतान करना चाहिए। इस धारणा से प्रभावित होने के बावजूद वे इसे स्वीकार कर लेते हैं और यह विचारधारा बनी रहती है। लेकिन, जब इस प्रकार की सहमति विफल हो जाती है तो आधिपत्य की अवधारणा स्पष्ट करती है कि किस प्रकार वर्चस्वकारी विचारधाराएं लचीले विनियोजन की प्रक्रिया के माध्यम से इस विफलता को रोकने के लिए विकसित होती हैं। इस तरह की स्थिति में यह संभावना है कि वर्चस्वकरी सांस्कृतिक संस्थाएं किसी चुनौतीपूर्ण धारणा को आत्मसात करेंगी उन्हें आधिपत्यवादी मैट्रिक्स में एकीकृत करेंगी और पूर्ववर्ती मानक को पुनः स्थापित करेंगी। परिणामस्वरूप आधिपत्यवादी प्रणालियाँ कभी भी लुप्त नहीं होतीं। वे सामाजिक समूहों के बीच निरंतर लेन-देन की प्रक्रिया के माध्यम से केवल रूप बदलती हैं। आधिपत्यवादी वैचारिक संरचनाएं आंशिक रूप से सीमांत विचारधाराओं के एकीकरण और विनियोजन की कभी भी न समाप्त होने वाली प्रक्रिया के माध्यम से नियंत्रण बनाए रखती हैं।

Despite hegemony, why marginalised people do not protest?

(1) Because they are too weak.

(2) They are not bothered being dominated.

(3) Priviledged groups forcefully suppress them.

(4) Because of the promise that the dominant ideology is in their best interest.

सीमांत लोग आधिपत्य के बावजूद विरोध क्यों नहीं करते हैं?

(1) क्योंकि वे अत्यधिक कमजोर हैं।

(2)

उन्हें आधिपत्य में रहने के बारे में चिंता नहीं है।

(3) विशेषाधिकार-प्राप्त समूह बलपूर्वक उनका दमन करते हैं।

(4) इस वचन के कारण से कि वर्चस्वकारी विचार धारा उनके सर्वोत्तम हित में है।

1[Option ID=10181]
2[Option ID=10182]
3[Option ID=10183]
4[Option ID=10184]

Sl. No.47
QBID:1501047

Read the following passage and answer the questions :

An essential function of hegemony involves convincing people to support the existence of a social system that does not support them in return. Marginalised groups do not often protest or revolt against ideologies that overwhelmingly support privileged groups because, on some level, they consent to being dominated. This statement prompts an immediate question: Why would anyone consent to such an arrangement? While dominant ideologies may reflect the desires and interests of socially powerful groups, for these ideologies to remain dormant or hegemonic, they must also feature an additional promise. It is in the best interest of the marginalized groups to accept these beliefs as well. Put another way, members of socially powerful groups act to have their world view accepted as the universal way of thinking, and members outside these groups come to accept some of these ideologies because they appear beneficial in some way. This is referred to as a process of spontaneous consent because it is typically informal or unnoticed. The best way to understand the spontaneous consent of hegemony is through an example. A number of ideological components within a nation's higher education system may not be in the best interests of students. One dominant belief suggests that college students should pay for their own education. Despite being affected by the belief, they accept it, and the ideology survives. When such consent fails, however, the concept of hegemony also explains how dominant ideologies evolve to contain this failure through a process of flexible appropriation. In such a situation, it is likely that dominant cultural institutions will absorb any challenging beliefs, integrate them into the hegemonic matrix, and re-establish the previous norm. As a result, hegemonic systems never go away. They simply change form through a process of constant give and take between social group. Hegemonic ideological structures maintain control in part through the never-ending process of integration and appropriation of marginalised ideologies.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्न संख्या 46 से 50 तक के उत्तर दीजिए :

आधिपत्य के एक आवश्यक कार्य में एक सामाजिक व्यवस्था के अस्तित्व के प्रति समर्थन देने के लिए लोगों को आश्वस्त करना शामिल है, जो बदले में उनका समर्थन नहीं करती है। सीमांत समूह प्रायः उन विचारधाराओं का विरोध या उनके प्रति विद्रोह नहीं करते, जो विशेषाधिकार-प्राप्त समूहों का अत्याधिक समर्थन करती हैं, क्योंकि वे किसी स्तर पर आधिपत्य जमाने देने पर सहमत होने दे रहे होते हैं। इस कथन से तत्काल प्रश्न खड़ा होता है। कोई भी व्यक्ति क्यों इस प्रकार की व्यवस्था के प्रति सहमत होता है? जबकि वर्चस्वकारी विचारधाराएं सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूहों की इच्छाओं और हितों को प्रतिबिंबित करती हैं, इन विचारधाराओं के प्रसुप्त या आधिपत्यवादी बने रहने के लिए उनमें एक अतिरिक्त वचन देने की विशेषता भी आवश्यक है। सीमांत समूहों का श्रेष्ठ हित इन धारणाओं को स्वीकार करने में भी है। अन्य तरीके से कहा जाए तो सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूह उनके वैश्विक दृष्टिकोण को सार्वभौमिक चिंतन के तरीके के रूप में स्वीकार करने के लिए कार्य करते हैं और इन समूहों के बाहर के सदस्य इन विचारधाराओं को स्वीकार करने लगते हैं क्योंकि ये उन्हें किसी तरीके से लाभप्रद लगती हैं। इसे स्वतः स्फूर्त सहमति की एक प्रक्रिया के रूप में संदर्भित किया जाता है क्योंकि यह विशिष्ट रूप से अनौपचारिक है या उस पर ध्यान नहीं जाता। आधिपत्य के प्रति स्वतः स्फूर्त सहमति को एक उदाहरण के माध्यम से श्रेष्ठ तरीके से समझा जा सकता है। किसी देश की उच्च शिक्षा प्रणाली के भीतर अनेक वैचारिक घटक विद्यार्थियों के सर्वोत्तम हितों में नहीं हो सकते हैं। एक वर्चस्वकारी धारणा सुझाती है कि कॉलेज के विद्यार्थियों को अपनी स्वयं की शिक्षा का भुगतान करना चाहिए। इस धारणा से प्रभावित होने के बावजूद वे इसे स्वीकार कर लेते हैं और यह विचारधारा बनी रहती है। लेकिन, जब इस प्रकार की सहमति विफल हो जाती है तो आधिपत्य की अवधारणा स्पष्ट करती है कि किस प्रकार वर्चस्वकारी विचारधाराएं लचीले विनियोजन की प्रक्रिया के माध्यम से इस विफलता को रोकने के लिए विकसित होती हैं। इस तरह की स्थिति में यह संभावना है कि वर्चस्वकरी सांस्कृतिक संस्थाएं किसी चुनौतीपूर्ण धारणा को आत्मसात करेंगी उन्हें आधिपत्यवादी मैट्रिक्स में एकीकृत करेंगी और पूर्ववर्ती मानक को पुनः स्थापित करेंगी। परिणामस्वरूप आधिपत्यवादी प्रणालियाँ कभी भी लुप्त नहीं होतीं। वे सामाजिक समूहों के बीच निरंतर लेन-देन की प्रक्रिया के माध्यम से केवल रूप बदलती हैं। आधिपत्यवादी वैचारिक संरचनाएं आंशिक रूप से सीमांत विचारधाराओं के एकीकरण और विनियोजन की कभी भी न समाप्त होने वाली प्रक्रिया के माध्यम से नियंत्रण बनाए रखती हैं।

What is the acceptance of domination called?

(1)

Hegemony

(2) Marginalisation

(3) Spontaneous consent

(4) Reflective desire

वर्चस्व की स्वीकार्यता को क्या कहा जाता है?

(1) आधिपत्य

(2) सीमांतीकरण

(3) स्वतः स्फूर्त सहमति

(4) प्रतिबिंबिक इच्छा

1[Option ID=10185]
2[Option ID=10186]
3[Option ID=10187]
4[Option ID=10188]

Sl. No.48
QBID:1501048

Read the following passage and answer the questions :

An essential function of hegemony involves convincing people to support the existence of a social system that does not support them in return. Marginalised groups do not often protest or revolt against ideologies that overwhelmingly support privileged groups because, on some level, they consent to being dominated. This statement prompts an immediate question: Why would anyone consent to such an arrangement? While dominant ideologies may reflect the desires and interests of socially powerful groups, for these ideologies to remain dormant or hegemonic, they must also feature an additional promise. It is in the best interest of the marginalized groups to accept these beliefs as well. Put another way, members of socially powerful groups act to have their world view accepted as the universal way of thinking, and members outside these groups come to accept some of these ideologies because they appear beneficial in some way. This is referred to as a process of spontaneous consent because it is typically informal or unnoticed. The best way to understand the spontaneous consent of hegemony is through an example. A number of ideological components within a nation's higher education system may not be in the best interests of students. One dominant belief suggests that college students should pay for their own education. Despite being affected by the belief, they accept it, and the ideology survives. When such consent fails, however, the concept of hegemony also explains how dominant ideologies evolve to contain this failure through a process of flexible appropriation. In such a situation, it is likely that dominant cultural institutions will absorb any challenging beliefs, integrate them into the hegemonic matrix, and re-establish the previous norm. As a result, hegemonic systems never go away. They simply change form through a process of constant give and take between social group. Hegemonic ideological structures maintain control in part through the never-ending process of integration and appropriation of marginalised ideologies.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्न संख्या 46 से 50 तक के उत्तर दीजिए :

आधिपत्य के एक आवश्यक कार्य में एक सामाजिक व्यवस्था के अस्तित्व के प्रति समर्थन देने के लिए लोगों को आश्वस्त करना शामिल है, जो बदले में उनका समर्थन नहीं करती है। सीमांत समूह प्रायः उन विचारधाराओं का विरोध या उनके प्रति विद्रोह नहीं करते, जो विशेषाधिकार-प्राप्त समूहों का अत्याधिक समर्थन करती हैं, क्योंकि वे किसी स्तर पर आधिपत्य जमाने देने पर सहमत होने दे रहे होते हैं। इस कथन से तत्काल प्रश्न खड़ा होता है। कोई भी व्यक्ति क्यों इस प्रकार की व्यवस्था के प्रति सहमत होता है? जबकि वर्चस्वकारी विचारधाराएं सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूहों की इच्छाओं और हितों को प्रतिबिंबित करती हैं, इन विचारधाराओं के प्रसुप्त या आधिपत्यवादी बने रहने के लिए उनमें एक अतिरिक्त वचन देने की विशेषता भी आवश्यक है। सीमांत समूहों का श्रेष्ठ हित इन धारणाओं को स्वीकार करने में भी है। अन्य तरीके से कहा जाए तो सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूह उनके वैश्विक दृष्टिकोण को सार्वभौमिक चिंतन के तरीके के रूप में स्वीकार करने के लिए कार्य करते हैं और इन समूहों के बाहर के सदस्य इन विचारधाराओं को स्वीकार करने लगते हैं क्योंकि ये उन्हें किसी तरीके से लाभप्रद लगती हैं। इसे स्वतः स्फूर्त सहमति की एक प्रक्रिया के रूप में संदर्भित किया जाता है क्योंकि यह विशिष्ट रूप से अनौपचारिक है या उस पर ध्यान नहीं जाता। आधिपत्य के प्रति स्वतः स्फूर्त सहमति को एक उदाहरण के माध्यम से श्रेष्ठ तरीके से समझा जा सकता है। किसी देश की उच्च शिक्षा प्रणाली के भीतर अनेक वैचारिक घटक विद्यार्थियों के सर्वोत्तम हितों में नहीं हो सकते हैं। एक वर्चस्वकारी धारणा सुझाती है कि कॉलेज के विद्यार्थियों को अपनी स्वयं की शिक्षा का भुगतान करना चाहिए। इस धारणा से प्रभावित होने के बावजूद वे इसे स्वीकार कर लेते हैं और यह विचारधारा बनी रहती है। लेकिन, जब इस प्रकार की सहमति विफल हो जाती है तो आधिपत्य की अवधारणा स्पष्ट करती है कि किस प्रकार वर्चस्वकारी विचारधाराएं लचीले विनियोजन की प्रक्रिया के माध्यम से इस विफलता को रोकने के लिए विकसित होती हैं। इस तरह की स्थिति में यह संभावना है कि वर्चस्वकरी सांस्कृतिक संस्थाएं किसी चुनौतीपूर्ण धारणा को आत्मसात करेंगी उन्हें आधिपत्यवादी मैट्रिक्स में एकीकृत करेंगी और पूर्ववर्ती मानक को पुनः स्थापित करेंगी। परिणामस्वरूप आधिपत्यवादी प्रणालियाँ कभी भी लुप्त नहीं होतीं। वे सामाजिक समूहों के बीच निरंतर लेन-देन की प्रक्रिया के माध्यम से केवल रूप बदलती हैं। आधिपत्यवादी वैचारिक संरचनाएं आंशिक रूप से सीमांत विचारधाराओं के एकीकरण और विनियोजन की कभी भी न समाप्त होने वाली प्रक्रिया के माध्यम से नियंत्रण बनाए रखती हैं।

The dominant ideology survives because of its

(1) Social Power

(2) Flexible appropriation

(3) Beneficial features

(4) Ideological components

वर्चस्वकारी विचारधारा किस कारण से बनी रहती है?

(1) सामाजिक शक्ति

(2)

लचीला विनियोजन

(3) लाभप्रद विशेषताएं

(4) वैचारिक घटक

1[Option ID=10189]
2[Option ID=10190]
3[Option ID=10191]
4[Option ID=10192]

Sl. No.49
QBID:1501049

Read the following passage and answer the questions :

An essential function of hegemony involves convincing people to support the existence of a social system that does not support them in return. Marginalised groups do not often protest or revolt against ideologies that overwhelmingly support privileged groups because, on some level, they consent to being dominated. This statement prompts an immediate question: Why would anyone consent to such an arrangement? While dominant ideologies may reflect the desires and interests of socially powerful groups, for these ideologies to remain dormant or hegemonic, they must also feature an additional promise. It is in the best interest of the marginalized groups to accept these beliefs as well. Put another way, members of socially powerful groups act to have their world view accepted as the universal way of thinking, and members outside these groups come to accept some of these ideologies because they appear beneficial in some way. This is referred to as a process of spontaneous consent because it is typically informal or unnoticed. The best way to understand the spontaneous consent of hegemony is through an example. A number of ideological components within a nation's higher education system may not be in the best interests of students. One dominant belief suggests that college students should pay for their own education. Despite being affected by the belief, they accept it, and the ideology survives. When such consent fails, however, the concept of hegemony also explains how dominant ideologies evolve to contain this failure through a process of flexible appropriation. In such a situation, it is likely that dominant cultural institutions will absorb any challenging beliefs, integrate them into the hegemonic matrix, and re-establish the previous norm. As a result, hegemonic systems never go away. They simply change form through a process of constant give and take between social group. Hegemonic ideological structures maintain control in part through the never-ending process of integration and appropriation of marginalised ideologies.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्न संख्या 46 से 50 तक के उत्तर दीजिए :

आधिपत्य के एक आवश्यक कार्य में एक सामाजिक व्यवस्था के अस्तित्व के प्रति समर्थन देने के लिए लोगों को आश्वस्त करना शामिल है, जो बदले में उनका समर्थन नहीं करती है। सीमांत समूह प्रायः उन विचारधाराओं का विरोध या उनके प्रति विद्रोह नहीं करते, जो विशेषाधिकार-प्राप्त समूहों का अत्याधिक समर्थन करती हैं, क्योंकि वे किसी स्तर पर आधिपत्य जमाने देने पर सहमत होने दे रहे होते हैं। इस कथन से तत्काल प्रश्न खड़ा होता है। कोई भी व्यक्ति क्यों इस प्रकार की व्यवस्था के प्रति सहमत होता है? जबकि वर्चस्वकारी विचारधाराएं सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूहों की इच्छाओं और हितों को प्रतिबिंबित करती हैं, इन विचारधाराओं के प्रसुप्त या आधिपत्यवादी बने रहने के लिए उनमें एक अतिरिक्त वचन देने की विशेषता भी आवश्यक है। सीमांत समूहों का श्रेष्ठ हित इन धारणाओं को स्वीकार करने में भी है। अन्य तरीके से कहा जाए तो सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूह उनके वैश्विक दृष्टिकोण को सार्वभौमिक चिंतन के तरीके के रूप में स्वीकार करने के लिए कार्य करते हैं और इन समूहों के बाहर के सदस्य इन विचारधाराओं को स्वीकार करने लगते हैं क्योंकि ये उन्हें किसी तरीके से लाभप्रद लगती हैं। इसे स्वतः स्फूर्त सहमति की एक प्रक्रिया के रूप में संदर्भित किया जाता है क्योंकि यह विशिष्ट रूप से अनौपचारिक है या उस पर ध्यान नहीं जाता। आधिपत्य के प्रति स्वतः स्फूर्त सहमति को एक उदाहरण के माध्यम से श्रेष्ठ तरीके से समझा जा सकता है। किसी देश की उच्च शिक्षा प्रणाली के भीतर अनेक वैचारिक घटक विद्यार्थियों के सर्वोत्तम हितों में नहीं हो सकते हैं। एक वर्चस्वकारी धारणा सुझाती है कि कॉलेज के विद्यार्थियों को अपनी स्वयं की शिक्षा का भुगतान करना चाहिए। इस धारणा से प्रभावित होने के बावजूद वे इसे स्वीकार कर लेते हैं और यह विचारधारा बनी रहती है। लेकिन, जब इस प्रकार की सहमति विफल हो जाती है तो आधिपत्य की अवधारणा स्पष्ट करती है कि किस प्रकार वर्चस्वकारी विचारधाराएं लचीले विनियोजन की प्रक्रिया के माध्यम से इस विफलता को रोकने के लिए विकसित होती हैं। इस तरह की स्थिति में यह संभावना है कि वर्चस्वकरी सांस्कृतिक संस्थाएं किसी चुनौतीपूर्ण धारणा को आत्मसात करेंगी उन्हें आधिपत्यवादी मैट्रिक्स में एकीकृत करेंगी और पूर्ववर्ती मानक को पुनः स्थापित करेंगी। परिणामस्वरूप आधिपत्यवादी प्रणालियाँ कभी भी लुप्त नहीं होतीं। वे सामाजिक समूहों के बीच निरंतर लेन-देन की प्रक्रिया के माध्यम से केवल रूप बदलती हैं। आधिपत्यवादी वैचारिक संरचनाएं आंशिक रूप से सीमांत विचारधाराओं के एकीकरण और विनियोजन की कभी भी न समाप्त होने वाली प्रक्रिया के माध्यम से नियंत्रण बनाए रखती हैं।

The dominant cultural institutions have the power to

(A) Absorb challenges

(B) Maintain relations with social groups

(C) Destroy opposition

(D) Re-establish the preious norms

Choose the most appropriate answer from the options given below :

(1) (A) and (B) only

(2) (B), and (C) only

(3) (C) and (D) only

(4) (A) and (D) only

वर्चस्वकारी सांस्कृतिक संस्थाओं में क्या शक्ति होती है?

(A) चुनौतियों को आत्मसात करना

(B) सामाजिक समूहों के साथ संबंध बनाए रखना

(C) विरोध को नष्ट करना

(D) पूर्ववर्ती मानकों को पुनः स्थापति करना

सही विकल्प चुनिए :

(1) केवल (A) और (B)

(2) केवल (B) और (C)

(3) केवल (C) और (D)

(4) केवल (A) और (D)

1[Option ID=10193]
2[Option ID=10194]
3[Option ID=10195]
4[Option ID=10196]

Sl. No.50
QBID:1501050

Read the following passage and answer the questions :

An essential function of hegemony involves convincing people to support the existence of a social system that does not support them in return. Marginalised groups do not often protest or revolt against ideologies that overwhelmingly support privileged groups because, on some level, they consent to being dominated. This statement prompts an immediate question: Why would anyone consent to such an arrangement? While dominant ideologies may reflect the desires and interests of socially powerful groups, for these ideologies to remain dormant or hegemonic, they must also feature an additional promise. It is in the best interest of the marginalized groups to accept these beliefs as well. Put another way, members of socially powerful groups act to have their world view accepted as the universal way of thinking, and members outside these groups come to accept some of these ideologies because they appear beneficial in some way. This is referred to as a process of spontaneous consent because it is typically informal or unnoticed. The best way to understand the spontaneous consent of hegemony is through an example. A number of ideological components within a nation's higher education system may not be in the best interests of students. One dominant belief suggests that college students should pay for their own education. Despite being affected by the belief, they accept it, and the ideology survives. When such consent fails, however, the concept of hegemony also explains how dominant ideologies evolve to contain this failure through a process of flexible appropriation. In such a situation, it is likely that dominant cultural institutions will absorb any challenging beliefs, integrate them into the hegemonic matrix, and re-establish the previous norm. As a result, hegemonic systems never go away. They simply change form through a process of constant give and take between social group. Hegemonic ideological structures maintain control in part through the never-ending process of integration and appropriation of marginalised ideologies.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्न संख्या 46 से 50 तक के उत्तर दीजिए :

आधिपत्य के एक आवश्यक कार्य में एक सामाजिक व्यवस्था के अस्तित्व के प्रति समर्थन देने के लिए लोगों को आश्वस्त करना शामिल है, जो बदले में उनका समर्थन नहीं करती है। सीमांत समूह प्रायः उन विचारधाराओं का विरोध या उनके प्रति विद्रोह नहीं करते, जो विशेषाधिकार-प्राप्त समूहों का अत्याधिक समर्थन करती हैं, क्योंकि वे किसी स्तर पर आधिपत्य जमाने देने पर सहमत होने दे रहे होते हैं। इस कथन से तत्काल प्रश्न खड़ा होता है। कोई भी व्यक्ति क्यों इस प्रकार की व्यवस्था के प्रति सहमत होता है? जबकि वर्चस्वकारी विचारधाराएं सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूहों की इच्छाओं और हितों को प्रतिबिंबित करती हैं, इन विचारधाराओं के प्रसुप्त या आधिपत्यवादी बने रहने के लिए उनमें एक अतिरिक्त वचन देने की विशेषता भी आवश्यक है। सीमांत समूहों का श्रेष्ठ हित इन धारणाओं को स्वीकार करने में भी है। अन्य तरीके से कहा जाए तो सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूह उनके वैश्विक दृष्टिकोण को सार्वभौमिक चिंतन के तरीके के रूप में स्वीकार करने के लिए कार्य करते हैं और इन समूहों के बाहर के सदस्य इन विचारधाराओं को स्वीकार करने लगते हैं क्योंकि ये उन्हें किसी तरीके से लाभप्रद लगती हैं। इसे स्वतः स्फूर्त सहमति की एक प्रक्रिया के रूप में संदर्भित किया जाता है क्योंकि यह विशिष्ट रूप से अनौपचारिक है या उस पर ध्यान नहीं जाता। आधिपत्य के प्रति स्वतः स्फूर्त सहमति को एक उदाहरण के माध्यम से श्रेष्ठ तरीके से समझा जा सकता है। किसी देश की उच्च शिक्षा प्रणाली के भीतर अनेक वैचारिक घटक विद्यार्थियों के सर्वोत्तम हितों में नहीं हो सकते हैं। एक वर्चस्वकारी धारणा सुझाती है कि कॉलेज के विद्यार्थियों को अपनी स्वयं की शिक्षा का भुगतान करना चाहिए। इस धारणा से प्रभावित होने के बावजूद वे इसे स्वीकार कर लेते हैं और यह विचारधारा बनी रहती है। लेकिन, जब इस प्रकार की सहमति विफल हो जाती है तो आधिपत्य की अवधारणा स्पष्ट करती है कि किस प्रकार वर्चस्वकारी विचारधाराएं लचीले विनियोजन की प्रक्रिया के माध्यम से इस विफलता को रोकने के लिए विकसित होती हैं। इस तरह की स्थिति में यह संभावना है कि वर्चस्वकरी सांस्कृतिक संस्थाएं किसी चुनौतीपूर्ण धारणा को आत्मसात करेंगी उन्हें आधिपत्यवादी मैट्रिक्स में एकीकृत करेंगी और पूर्ववर्ती मानक को पुनः स्थापित करेंगी। परिणामस्वरूप आधिपत्यवादी प्रणालियाँ कभी भी लुप्त नहीं होतीं। वे सामाजिक समूहों के बीच निरंतर लेन-देन की प्रक्रिया के माध्यम से केवल रूप बदलती हैं। आधिपत्यवादी वैचारिक संरचनाएं आंशिक रूप से सीमांत विचारधाराओं के एकीकरण और विनियोजन की कभी भी न समाप्त होने वाली प्रक्रिया के माध्यम से नियंत्रण बनाए रखती हैं।

The passage explains

(1) The forced absorption of the marginalized into the mainstream

(2) The establishment of the ideology of the marginalised

(3) The defects of spontaneous consent

(4) The survival of dominant ideology against the challenges

उपरोक्त गद्यांश क्या स्पष्ट करता है?

(1) सीमांतीकृत का मुख्य धारा में बलात् आत्मसात करना

(2) सीमांतीकृत की विचारधारा की स्थापना

(3) स्वतः स्फूर्त सहमति के दोष

(4) चुनौतियों के विरुद्ध वर्चस्वकारी विचारधारा का बने रहना

1[Option ID=10197]
2[Option ID=10198]
3[Option ID=10199]
4[Option ID=10200]

Sl. No.51
QBID:181001

'विद्यापतिक आत्मकथा' पोथीक लेखक ओकर विधा मानलुनि अछिः

(1) आत्मकथा

(2) उपन्यास

(3) संस्मरण

(4) कथा

1[Option ID=10601]
2[Option ID=10602]
3[Option ID=10603]
4[Option ID=10604]

Sl. No.52
QBID:181002

चन्दा झाक चिता प्रज्वलित भेल छलः

(1) बागमतीक कछेड़मे

(2) कमलाक कछेड़मे

(3) कोशीक कछेड़मे

(4) गंगाक कछेड़मे

1[Option ID=10605]
2[Option ID=10606]
3[Option ID=10607]
4[Option ID=10608]

Sl. No.53
QBID:181003

विद्यापतिक पदमे अन्तिम राजाक नाम अबैत अछिः

(1) वीरसिंह

(2) शिवसिंह

(3) कीर्तिसिंह

(4) धीरसिंह

1[Option ID=10609]
2[Option ID=10610]
3[Option ID=10611]
4[Option ID=10612]

Sl. No.54
QBID:181004

विद्यापति पदावलीक पहिल मैथिली-भाषी सम्पादक भेलाहः

(1) मुरलीधर झा

(2) खुदी झा

(3) बालकृष्ण मिश्र

(4) गोविन्द झा

1[Option ID=10613]
2[Option ID=10614]
3[Option ID=10615]
4[Option ID=10616]

Sl. No.55
QBID:181005

कवीश्वर चन्दा झाक मातृक छलनिः

(1) सतलखा

(2) बड़गाँव

(3) टेकटारि

(4) पिण्डारुच

1[Option ID=10617]
2[Option ID=10618]
3[Option ID=10619]
4[Option ID=10620]

Sl. No.56
QBID:181006

'कामना नहि जखन मनमे तखन चिन्ता कोन?

लुब्ध नहि यदि चित्त सम अछि रत्न-रज वा सोन।।' - ई पंक्ति थिकः

(1) 'सुभद्राहरण'क

(2) 'एकावली-परिणय'क

(3) शकुन्तला महाकाव्य

(4) सुभद्राहरण

1[Option ID=10621]
2[Option ID=10622]
3[Option ID=10623]
4[Option ID=10624]

Sl. No.57
QBID:181007

साहित्य अकादेमीसँ पुरस्कृत पुस्तक थिकः

(1) एकावली-परिणय

(2) चाणक्य

(3) शकुन्तला महाकाव्य

(4) सुभद्राहरण

1[Option ID=10625]
2[Option ID=10626]
3[Option ID=10627]
4[Option ID=10628]

Sl. No.58
QBID:181008

'एकावली-परिणय'क कथा लेल गेल अछि, देवी भागवतक-

(1) तेसर स्कन्धसँ

(2) चारिम स्कन्धसँ

(3) पाँचम स्कन्धसँ

(4) छठम स्कन्धसँ

1[Option ID=10629]
2[Option ID=10630]
3[Option ID=10631]
4[Option ID=10632]

Sl. No.59
QBID:181009

'दशमीमे रचि मण्डप-स्तम्भ
विश्वक तिथिमे हो मखारम्भ।' - ई पंक्ति थिकः

(1) 'रमेश्वरचरित मिथिला रामायण'क

(2) 'एकावली-परिणय'क

(3) 'अम्बचरित'क

(4) 'शकुन्तला महाकाव्य'क

1[Option ID=10633]
2[Option ID=10634]
3[Option ID=10635]
4[Option ID=10636]

Sl. No.60
QBID:181010

'दन्त सौध करे पंक्ति जकर पुनि नयन झरोखा।
वातायनकें देखि कानहिक होइछ धोखा।।' - ई पंक्ति थिकः

(1) 'पतन'क

(2) 'नोर'क

(3) 'एकलव्य'क

(4) 'उत्तरा'क

1[Option ID=10637]
2[Option ID=10638]
3[Option ID=10639]
4[Option ID=10640]

Sl. No.61
QBID:181011

'कान्तासम्मित तयोपदेशयुजे' - कथन थिकः

(1) विश्वनाथक

(2) मम्मटक

(3) जगन्नाथक

(4) जयदेवक

1[Option ID=10641]
2[Option ID=10642]
3[Option ID=10643]
4[Option ID=10644]

Sl. No.62
QBID:181012

मालिनी छन्दमे गणक विन्यास होइत अछिः

(1) य-य-य-य

(2) न-न-म-य-य

(3) न-भ-भ-र

(4) म-भ-न-त-त-ग-ग

1[Option ID=10645]
2[Option ID=10646]
3[Option ID=10647]
4[Option ID=10648]

Sl. No.63
QBID:181013

कंटक माँझ कुसुम परगास
भमर विकल नहि पाबए पास।
कुसुमित मालति पुन-पुन देखि
पीबए चाहए जीब उपेखि।।- एहिमे अलङ्कार अछिः

(1) उपमा

(2) रूपक

(3) व्यतिरेक

(4) अप्रस्तुतप्रशंसा

1[Option ID=10649]
2[Option ID=10650]
3[Option ID=10651]
4[Option ID=10652]

Sl. No.64
QBID:181014

सिद्धलोकनिक आविर्भाव काल छलः

(1) कर्णाटकाल

(2) ओइनवार काल

(3) खण्डवलाकाल

(4) पालकाल

1[Option ID=10653]
2[Option ID=10654]
3[Option ID=10655]
4[Option ID=10656]

Sl. No.65
QBID:181015

वक-यात्राक वर्णन अछिः

(1) 'वाताह्वान' मे

(2) 'गीतसप्तशती' मे

(3) 'गीत-सुधा' मे

(4) 'लक्ष्मीश्वर-विलास' मे

1[Option ID=10657]
2[Option ID=10658]
3[Option ID=10659]
4[Option ID=10660]

Sl. No.66
QBID:181016

'कृष्णजन्म' बाँटल अछिः

(1) सर्गमे

(2) अध्यायमे

(3) काण्डमे

(4) विश्राममे

1[Option ID=10661]
2[Option ID=10662]
3[Option ID=10663]
4[Option ID=10664]

Sl. No.67
QBID:181017

ओ पत्रिका जकर संपादकक नाम कहिओ मुद्रित नहि भेलः

(1) मिथिलामिहिर

(2) कर्णामृत

(3) मिथिलामोद

(4) स्वदेश

1[Option ID=10665]
2[Option ID=10666]
3[Option ID=10667]
4[Option ID=10668]

Sl. No.68
QBID:181018

'महोदय मन्वन्तर' लिखने छथिः

(1) सुधांशु 'शेखर' चौधरी

(2) शैलेन्द्र मोहन झा

(3) योगानन्द झा

(4) विद्यानाथ झा 'विदित'

1[Option ID=10669]
2[Option ID=10670]
3[Option ID=10671]
4[Option ID=10672]

Sl. No.69
QBID:181019

मरीचिकाक जाहि खण्ड पर साहित्य अकादेमी पुरस्कार भेटल, से अछिः

(1) पहिल

(2) दोसर

(3) तेसर

(4) चारिम

1[Option ID=10673]
2[Option ID=10674]

3[Option ID=10675]
4[Option ID=10676]

Sl. No.70
QBID:181020

यात्री जीक उपन्यास जाहिमे अनमेल विवाहक युवा-विरोध अछिः

(1) पारो

(2) नवतुरिया

(3) बलचनमा

(4) कुमार

1[Option ID=10677]
2[Option ID=10678]
3[Option ID=10679]
4[Option ID=10680]

Sl. No.71
QBID:181021

'द्विरागमन' उपन्यासक पात्र छथिः

(1) चण्डीचरण मिश्र - फूलदाइ

(2) झारखण्डीनाथ - चानदाइ

(3) बुच्चीदाइ - रेवणीरमण

(4) बुच्चीदाइ - सोनदाइ

1[Option ID=10681]
2[Option ID=10682]
3[Option ID=10683]
4[Option ID=10684]

Sl. No.72
QBID:181022

साहित्य अकादेमीसँ पहिल अनूदित पुरस्कृत रचना अछि:

(1) विप्रदास

(2) सगाइ

(3) तमस

(4) माटि-मंगल

1[Option ID=10685]
2[Option ID=10686]
3[Option ID=10687]
4[Option ID=10688]

Sl. No.73
QBID:181023

'साहित्यक शरीर थीक भाषा' ई कथन अछिः

(1) बाबू राम सक्सेनाक

(2) सगाइ

(3) धीरेन्द्रनाथ मिश्रक

(4) देवेन्द्रनाथ शर्माक

1[Option ID=10689]
2[Option ID=10690]
3[Option ID=10691]
4[Option ID=10692]

Sl. No.74
QBID:181024

'डिंगडांग थ्योरी'क प्रतिपादन कयने छथिः

(1) नायर एवं मैक्समूलर

(2) हेग एवं मैक्समूलर

(3) अरस्तु एवं मैक्समूलर

(4)

हॉब्स, लॉक एवं मैक्समूलर

1[Option ID=10693]
2[Option ID=10694]
3[Option ID=10695]
4[Option ID=10696]

Sl. No.75
QBID:181025

'प्रयत्न लाघव' कारण होइछः

(1) भाषा – परिवर्तनक

(2) अर्थ – परिवर्तनक

(3) वाक्य – परिवर्तनक

(4) रूप – परिवर्तनक

1[Option ID=10697]
2[Option ID=10698]
3[Option ID=10699]
4[Option ID=10700]

Sl. No.76
QBID:181026

राधाकृष्ण चौधरीक निबंध अछिः

(1) मूर्द्धा

(2) तालु

(3) ओष्ठ

(4) कंठ

1[Option ID=10701]
2[Option ID=10702]
3[Option ID=10703]
4[Option ID=10704]

Sl. No.77
QBID:181027

राधाकृष्ण चौधरीक निबंध अछिः

(1) बीसम शताब्दीक अंत

(2) बहुजन हितायः बहुजन सुखाय

(3) शक्ति ओ आदर्श

(4) सांस्कृतिक पुनरुत्थान

1[Option ID=10705]
2[Option ID=10706]
3[Option ID=10707]
4[Option ID=10708]

Sl. No.78
QBID:181028

'शिक्षित स्त्रीगणक कर्तव्य' निबन्ध लिखने छथिः

(1) सुभद्र झा

(2) मनमोहन झा

(3) हरिमोहन झा

(4) जयकान्त मिश्र

1[Option ID=10709]
2[Option ID=10710]
3[Option ID=10711]
4[Option ID=10712]

Sl. No.79
QBID:181029

रमानाथ झाक निबन्ध विषयक रचना छनिः

(1) निबन्ध – चन्द्रिका

(2) निबन्धमाला

(3) निबन्ध - प्रबन्ध

(4) निबन्ध परिमल

1[Option ID=10713]
2[Option ID=10714]
3[Option ID=10715]
4[Option ID=10716]

Sl. No.80
QBID:181030

काशीनाथ झा 'किरण'क रचना अछिः

(1) मिथिलामे पञ्जी-व्यवस्था

(2) कीर्ति किरण

(3) किरण-निबन्धावली

(4) किरण काव्यालोचन

1[Option ID=10717]
2[Option ID=10718]
3[Option ID=10719]
4[Option ID=10720]

Sl. No.81
QBID:181031

हंसराज सभसँ बेसी चर्चित छथिः

(1) उपन्यासमे

(2) कवितामे

(3) किरण-निबन्धावली

(4) कथामे

1[Option ID=10721]
2[Option ID=10722]
3[Option ID=10723]
4[Option ID=10724]

Sl. No.82
QBID:181032

'पत्नी प्रसाद'क नाटककार छथिः

(1) जगतप्रकाश मल्ल

(2) रामचरण ठाकुर

(3) शंकरदेव

(4) माधवदेव

1[Option ID=10725]
2[Option ID=10726]
3[Option ID=10727]
4[Option ID=10728]

Sl. No.83
QBID:181033

'आन्दोलन' क नाटककार छथिः

(1) नचिकेता

(2) अरविन्द 'अक्कू'

(3) ईशनाथ झा

(4) गोविन्द झा

1[Option ID=10729]
2[Option ID=10730]
3[Option ID=10731]
4[Option ID=10732]

Sl. No.84
QBID:181034

'जुआयल कनकनी'क रचनाक समय अछिः

(1) 1970 ई.

(2) 1971 ई.

(3) 1972 ई.

(4) 1973 ई.

1[Option ID=10733]
2[Option ID=10734]
3[Option ID=10735]
4[Option ID=10736]

Sl. No.85
QBID:181035

'एना कतेक दिन'क नाटककार छथिः

(1) महेन्द्र मलंगिया

(2) रामदेव झा

(3) अरविन्द 'अक्कू'

(4) नचिकेता

1[Option ID=10737]
2[Option ID=10738]
3[Option ID=10739]
4[Option ID=10740]

Sl. No.86
QBID:181036

'मैथिली काव्योपवन' कृतिकार छथिः

(1) सुरेन्द्र झा 'सुमन

(2) उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन

(3) काशीकान्त मिश्र 'मधुप'

(4) सीताराम झा

1[Option ID=10741]
2[Option ID=10742]
3[Option ID=10743]
4[Option ID=10744]

Sl. No.87
QBID:181037

'सीमान्त'क कवि छथिः

(1) यात्री

(2) कीर्तिनारायण मिश्र

(3) मधुप

(4) भीमनाथ झा

1[Option ID=10745]
2[Option ID=10746]
3[Option ID=10747]
4[Option ID=10748]

Sl. No.88
QBID:181038

'शिक्षा-सुधा'क कवि छथिः

(1) सुमन

(2) सीताराम झा

(3) आरसी प्रसाद सिंह

(4) उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'

1[Option ID=10749]
2[Option ID=10750]
3[Option ID=10751]
4[Option ID=10752]

Sl. No.89
QBID:181039

'पत्रहीन नग्न गाछ'क कवि छथिः

(1) जीवकान्त

(2) मधुप

(3) सुमन

(4) यात्री

1[Option ID=10753]
2[Option ID=10754]
3[Option ID=10755]
4[Option ID=10756]

Sl. No.90
QBID:181040

'सूर्यमुखी' कविता – संग्रहक कवि छथिः

(1) आरसी प्रसाद सिंह

(2) यात्री

(3) चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'

(4) कीर्तिनारायण मिश्र

1[Option ID=10757]
2[Option ID=10758]
3[Option ID=10759]
4[Option ID=10760]

Sl. No.91
QBID:181041

रस-निष्पत्तिवादक प्रवर्त्तक छथिः

(A) अभिनवगुप्त

(B) भरतमुनि

(C) भट्टलोल्लट

(D) जयदेव

(E) अप्पय दीक्षित

निम्नलिखितसँ सही विकल्पक चयन करू :

(1) (A) एवं (D)

(2) (A) एवं (C)

(3) (B) एवं (E)

(4) (C) एवं (D)

1[Option ID=10761]
2[Option ID=10762]
3[Option ID=10763]
4[Option ID=10764]

Sl. No.92
QBID:181042

रूपकक भेद थिकः

(A) अङ्क

(B) ईहामृग

(C) त्रोटक

(D) गोष्ठी

(E) संलापक

निम्नलिखितसँ सही विकल्पक चयन करू :

(1) (A) एवं (C)

(2) (B) एवं (E)

(3) (C) एवं (D)

(4) (A) एवं (B)

1[Option ID=10765]
2[Option ID=10766]
3[Option ID=10767]
4[Option ID=10768]

Sl. No.93
QBID:181043

काव्य-लक्षणक प्रसङ्ग कहल गेल अछिः

(A) प्रतिभैव केवलं कारणम्

(B) शरीरं तावदिष्टार्थ व्यवच्छिन्ना पदावली

(C) रमणीयार्थः प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्

(D) यानि व्यभिचरेण तानि व्यभिचारि शब्देन

(E) विभावानुभाव व्यभिचारि संयोगाद्रसनिष्पतिः

निम्नांकित विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करू :

(1) (A) एवं (D)

(2) (B) एवं (C)

(3) (C) एवं (E)

(4) (D) एवं (E)

1[Option ID=10769]
2[Option ID=10770]
3[Option ID=10771]
4[Option ID=10772]

Sl. No.94
QBID:181044

'पंच पुरुष छथि जनिक संगमे श्यामा ललना एक।
पंच तत्त्व जनि संगत एकत प्राण शक्तिहिक टेक।।' मे वर्णन अछिः

(A) हस्तिनापुरक

(B) गान्धारक

(C) अज्ञातवासक

(D) पाञ्चालक

(E) विराटनगरक

निम्नलिखितसँ सही उत्तरक चयन करू :

(1) (A) एवं (C)

(2) (C) एवं (E)

(3) (B) एवं (D)

(4) (B) एवं (C)

1[Option ID=10773]
2[Option ID=10774]
3[Option ID=10775]
4[Option ID=10776]

Sl. No.95
QBID:181045

महाकाव्यक हेतु अंगीरस कहल गेल अछिः

(A) हास्य

(B) करुण

(C) वीर

(D) शान्त

(E) भयानक

निम्नलिखित विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करू :

(1) (A) एवं (D)

(2) (B) एवं (C)

(3) (C) एवं (D)

(4) (B) एवं (C)

1[Option ID=10777]
2[Option ID=10778]
3[Option ID=10779]
4[Option ID=10780]

Sl. No.96
QBID:181046

'मिथिलाभाषा रामायण'मे अछिः

(A) लोकोक्तिक विविधता

(B) पुष्कर काण्ड

(C) सर्गबद्धता

(D) छन्दक विपुल प्रयोग

(E) आठ काण्ड

निम्न विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करू :

(1) (A) एवं (E)

(2) (B) एवं (D)

(3) (C) एवं (D)

(4) (A) एवं (D)

1[Option ID=10781]
2[Option ID=10782]
3[Option ID=10783]
4[Option ID=10784]

Sl. No.97
QBID:181047

लिली रेक रचना अछिः

(A) लाली गुराँस

(B) पाश्चात्ताप

(C) रंगीन परदा

(D) फूटल-चूड़ी

(E) गंगा

निम्नांकित विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करू :

(1) (A) एवं (D)

(2) (A) एवं (C)

(3) (C) एवं (D)

(4) (A) एवं (B)

1[Option ID=10785]
2[Option ID=10786]
3[Option ID=10787]
4[Option ID=10788]

Sl. No.98

QBID:181048

मणिपद्म लिखने छथिः

(A) कनकी

(B) करपुरिया

(C) आदिम गुलाम

(D) हीना

(E) आदिकथा

निम्नांक्ति विकल्पसँ सही उत्तर चयन करू :

(1) (A) एवं (C)

(2) (B) एवं (D)

(3) (C) एवं (B)

(4) (A) एवं (B)

1[Option ID=10789]
2[Option ID=10790]
3[Option ID=10791]
4[Option ID=10792]

Sl. No.99
QBID:181049

साहित्य अकादेमीसँ पुरस्कृत पोथी अछिः

(A) प्रभासक कथा

(B) एकादशी

(C) कचोट

(D) गंगापुत्र

(E) नायकक नाम जीवन

निम्नांक्तिसँ सही विकल्पक चयन करू :

(1) (C) एवं (B)

(2) (A) एवं (C)

(3) (C) एवं (D)

(4) (A) एवं (D)

1[Option ID=10793]
2[Option ID=10794]
3[Option ID=10795]
4[Option ID=10796]

Sl. No.100
QBID:181050

'वर्णरत्नाकर'क 'श्मशान वर्णन'मे रसक चित्रण अछिः

(A) भयानक

(B) वीर

(C) शृंगार

(D) बीभत्स

(E) वात्सल्य

निम्नलिखितसँ सही विकल्पक चयन करू :

(1) (A) एवं (B)

(2) (B) एवं (C)

(3) (A) एवं (C)

(4) (A) एवं (D)

1[Option ID=10797]
2[Option ID=10798]
3[Option ID=10799]
4[Option ID=10800]

Sl. No.101
QBID:181051

निम्नांकितमे एकहि वर्ष प्रकाशित भेलः

(A) लगक दूरी

(B) पहिल साँझ

(C) लेटाइत आँचर

(D) हथटुट्टा कुरसी

(E) विजेता विद्यापति

निम्नलिखितसँ सही विकल्पक चयन करू :

निम्नांकितमे एकहि वर्ष प्रकाशित भेलः

(A) लगक दूरी

(B) पहिल साँझ

(C) लेटाइत आँचर

(D) हथटुट्टा कुरसी

(E) विजेता विद्यापति

निम्नलिखितसँ सही विकल्पक चयन करू :

(1)

(2) (A) एवं (B)

(3) (B) एवं (C)

(4) (C) एवं (D)

1[Option ID=10801]
2[Option ID=10802]
3[Option ID=10803]
4[Option ID=10804]

Sl. No.102
QBID:181052

ओइनवार राजवंशक उत्कृष्ट कवि छलाहः

(A) चन्दा झा

(B) विद्यापति

(C) हर्षनाथ झा

(D) अमृतकर

(E) जगदीश चन्द्र ठाकुर

निम्नलिखितसँ सही विकल्पक चयन करू :

(1) (A) एवं (B)

(2) (B) एवं (C)

(3) (C) एवं (D)

(4) (B) एवं (D)

1[Option ID=10805]
2[Option ID=10806]
3[Option ID=10807]
4[Option ID=10808]

Sl. No.103
QBID:181053

'मैथिली भाषा विज्ञान' लिखने छथिः

(A) डॉ. नवीनचन्द्र मिश्र

(B) शिवकान्त ठाकुर

(C) दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

(D) सुभद्र झा

(E) रमानाथ झा

निम्नलिखितसँ सही विकल्पक चयन करू :

(1)

(A) एवं (B)

(2) (B) एवं (C)

(3) (C) एवं (D)

(4) (B) एवं (D)

1[Option ID=10809]
2[Option ID=10810]
3[Option ID=10811]
4[Option ID=10812]

Sl. No.104
QBID:181054

(1) (A) एवं (D)

(2) (B) एवं (C)

(3) (A) एवं (E)

(4) (D) एवं (C)

1[Option ID=10813]
2[Option ID=10814]
3[Option ID=10815]
4[Option ID=10816]

Sl. No.105
QBID:181055

मैथिली सर्वाधिक समीप थिकः

(A) अरबीसँ

(B) बाँग्लासँ

(C) मगहीसँ

(D) हिन्दीसँ

(E) भोजपुरीसँ

निम्नलिखित विकल्पसँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तरक चयन करू :

(1) (A) एवं (C)

(2) (B) एवं (D)

(3) (C) एवं (D)

(4) (B) एवं (C)

1[Option ID=10817]
2[Option ID=10818]
3[Option ID=10819]
4[Option ID=10820]

Sl. No.106
QBID:181056

सुभद्र झाक निबन्ध अछिः

(A) हे विद्यापति! हे मार्गदर्शक!

(B) विद्यार्थी जी

(C) साहित्य ककरा कही

(D) बसंत आबि गेल

(E) हे मैथिली! हे सीता!

निम्नलिखितसँ सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पक चयन करू :

(1) (A) एवं (B)

(2) (B) एवं (D)

(3) (A) एवं (C)

(4) (A) एवं (E)

1[Option ID=10821]
2[Option ID=10822]
3[Option ID=10823]
4[Option ID=10824]

Sl. No.107
QBID:181057

साहित्य अकादेमी, नई दिल्लीसँ पुरस्कृत निबंध-संग्रह-लेखकक रचना अछि-

(A) शब्दचित्र

(B) नातिक पत्रक उत्तर

(C) पथ हेरथि राधा

(D) यात्रा प्रकरण-शतक

(E) प्रबंध-पारिजात

निम्न विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करू :

(1) (A) एवं (B)

(2) (B) एवं (E)

(3) (C) एवं (D)

(4) (B) एवं (D)

1[Option ID=10825]
2[Option ID=10826]
3[Option ID=10827]
4[Option ID=10828]

Sl. No.108
QBID:181058

सीताराम झाक रचना थिक:

(A) उनटा बसात

(B) सूर्यमुखी

(C) परिचय शतक

(D) उपदेशाक्ष माला

(E) प्रतिपदा

निम्नांकित विकल्पसँ सही विकल्पक चयन करू :

(1) (A) एवं (B)

(2) (C) एवं (D)

(3) (C) एवं (E)

(4) (A) एवं (D)

1[Option ID=10829]
2[Option ID=10830]
3[Option ID=10831]
4[Option ID=10832]

Sl. No.109
QBID:181059

जीवकान्तक रचना थिक

(A) मुक्तक

(B) पढुआ चरित

(C) युगचक्र

(D) खांड़ो

(E) तकैत अछि चिड़ै

निम्नांकितसँ सही विकल्पक चयन करू :

(1) (A) एवं (D)

(2) (C) एवं (D)

(3) (B) एवं (A)

(4)

(D) एवं (E)

1[Option ID=10833]
2[Option ID=10834]
3[Option ID=10835]
4[Option ID=10836]

Sl. No.110
QBID:181060

'यात्री'क रचना थिक

(A) चित्रा

(B) फुलडाली

(C) आशा–दिशा

(D) सीमान्त

(E) पत्रहीन नग्न गाछ

निम्नांकित सँ सही विकल्पक चयन करू :

(1) (A) एवं (D)

(2) (B) एवं (D)

(3) (A) एवं (E)

(4) (B) एवं (A)

1[Option ID=10837]
2[Option ID=10838]
3[Option ID=10839]
4[Option ID=10840]

Sl. No.111
QBID:181061

शंकरदेवक रचना अछि

(A) रुक्मिहरण

(B) रामविजय

(C) जन्म यात्रा

(D) जालन्धरोप्यान

(E) प्रभावती हरण

निम्नांकित विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करू :

(1) (A) एवं (B)

(2) (B) एवं (C)

(3) (C) एवं (E)

(4) (D) एवं (E)

1[Option ID=10841]
2[Option ID=10842]
3[Option ID=10843]
4[Option ID=10844]

Sl. No.112
QBID:181062

माधवदेवक रचना अछिः

(A) गौरी विवाह

(B) केलि गोपाल

(C) भोजन विहार

(D) चोरघरा

(E) मदन चरित

निम्नांकितसँ सही विकल्पक चयन करू :

(1) (A) एवं (B)

(2) (B) एवं (E)

(3)

(C) एवं (D)

(4) (C) एवं (E)

1[Option ID=10845]
2[Option ID=10846]
3[Option ID=10847]
4[Option ID=10848]

Sl. No.113
QBID:181063

महेन्द्र मलंगियाक नाटक अछिः

(A) लौंगिया मरचाइ

(B) पातक मनुक्ख

(C) ओकरा आंगनक बारहमासा

(D) सुखायल डाढ़िःनव पल्लव

(E) लक्ष्मण रेखाः खण्डित

निम्नांकितसँ सही विकल्पक चयन करू :

(1) (A) एवं (C)

(2) (B) एवं (D)

(3) (C) एवं (E)

(4) (A) एवं (D)

1[Option ID=10849]
2[Option ID=10850]
3[Option ID=10851]
4[Option ID=10852]

Sl. No.114
QBID:181064

गोविन्ददासकेँ कुजौली भखरौली मूलक शिवदासक पुत्र मानने छथिः

(A) रामदेव झा

(B) बदरी नारायण झा

(C) चन्दा झा

(D) रमानाथ झा

(E) शैलेन्द्र मोहन झा

निम्नांकित विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करू :

(1) (A) एवं (B)

(2) (A) एवं (C)

(3) (B) एवं (C)

(4) (C) एवं (D)

1[Option ID=10853]
2[Option ID=10854]
3[Option ID=10855]
4[Option ID=10856]

Sl. No.115
QBID:181065

'विद्यापति गीत-संचय'क सम्पादन कएने छथिः

(A) गोविन्द झा

(B) रामदेव झा

(C) जनार्दन मिश्र

(D) मोहन भारद्वाज

(E) नन्द नन्दन झा

निम्नांकित विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करू :

(1) (A) एवं (B)

(2)

(B) एवं (C)

(3) (B) एवं (D)

(4) (C) एवं (D)

1[Option ID=10857]
2[Option ID=10858]
3[Option ID=10859]
4[Option ID=10860]

Sl. No.116
QBID:181066

निम्नलिखित रचनाकें रचनाकारक संग मिलान करू:

	सूची – I रचना		सूची – II रचनाकार
(A)	अलङ्कार सागर	(I)	जयधारी सिंह
(B)	अलङ्कार – भास्कर	(II)	गोविन्द झा
(C)	काव्य मीमांसा	(III)	दीनबन्धु झा
(D)	मैथिली छन्दःशास्त्र	(IV)	रमण झा

निम्नलिखित विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करू:

(1) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

(2) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(II)

(3) (A)-(III), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(I)

(4) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)

1[Option ID=10861]
2[Option ID=10862]
3[Option ID=10863]
4[Option ID=10864]

Sl. No.117
QBID:181067

निम्नलिखित शब्दकें ओकर भेदक संग मिलान करू:

	सूची – I शब्द		सूची – II भेद
(A)	लक्षणा	(I)	जड़ता
(B)	व्यभिचारीभाव	(II)	विस्मय
(C)	स्थायीभाव	(III)	यौगिक
(D)	अभिधा	(IV)	सारोपा

निम्नलिखित विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करू:

(1) (A)-(III), (B)-(II), (C)-(I), (D)-(IV)

(2) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(II)

(3) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)

(4) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(IV)

1[Option ID=10865]
2[Option ID=10866]
3[Option ID=10867]
4[Option ID=10868]

Sl. No.118
QBID:181068

निम्नलिखित रचनाकें रचनाकारक संग मिलान करू:

	सूची – I रचना		सूची – II रचनाकार
(A)	शकुन्तला	(I)	यागेश्वर झा
(B)	नोर	(II)	चन्द्रभानु सिंह
(C)	उत्सर्ग	(III)	बबुआजी झा 'अज्ञात'
(D)	प्रतिज्ञा – पाण्डव	(IV)	लक्ष्मण झा

निम्नलिखित विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करू:

(1) (A)-(III), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(I)

(2) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)

(3) (A)-(IV), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(I)

(4)

(A)-(I), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(IV)

1[Option ID=10869]
2[Option ID=10870]
3[Option ID=10871]
4[Option ID=10872]

Sl. No.119
QBID:181069

निम्नलिखित रचनाकें पुरस्कार वर्षक संग मिलान करू:

सूची – I पुस्तक		सूची – II वर्ष	
(A)	दू पत्र	(I)	1973
(B)	नैका वनिजारा	(II)	1988
(C)	मरीचिका	(III)	1969
(D)	मंत्रपुत्र	(IV)	1982

निम्नांक्ति विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करू:

(1) (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(III)

(2) (A)-(I), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(IV)

(3) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(II)

(4) (A)-(IV), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(I)

1[Option ID=10873]
2[Option ID=10874]
3[Option ID=10875]
4[Option ID=10876]

Sl. No.120
QBID:181070

निम्नलिखित पत्र-पत्रिकाक संपादकक संग मिलान करू:

सूची – I पत्र-पत्रिका		सूची – II संपादक	
(A)	मिथिला-मोद	(I)	जगदीश चन्द्र झा
(B)	वैदेही	(II)	रमानन्द झा 'रमण'
(C)	मिथिला-भारती	(III)	मुरलीधर झा
(D)	घर-बाहर	(IV)	कृष्णकान्त मिश्र

निम्नांक्ति विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करू:

(1) (A)-(IV), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(I)

(2) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)

(3) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(III), (D)-(IV)

(4) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(III)

1[Option ID=10877]
2[Option ID=10878]
3[Option ID=10879]
4[Option ID=10880]

Sl. No.121
QBID:181071

निम्नलिखित सिद्धांतकारकेँ हनक सिद्धांतक संग मिलान करू:

सूची – I		सूची – II	
(A)	डार्विन	(I)	अनुकरण सिद्धांत
(B)	मैक्समूलर	(II)	विकासवाद सिद्धांत
(C)	रेवेज	(III)	संगीत सिद्धांत
(D)	येस्पर्सन	(IV)	सम्पर्क सिद्धांत

निम्नलिखित विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करू:

(1) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)

(2) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(III), (D)-(IV)

(3) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I)

(4) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)

1[Option ID=10881]
2[Option ID=10882]
3[Option ID=10883]
4[Option ID=10884]

Sl. No.122

QBID:181072

निम्नलिखित रचनाकारकेँ हुनक पोथी संग मिलान करू:

सूची - I रचनाकार		सूची - II रचना	
(A)	काशीनाथ झा 'किरण'	(I)	किरण निबन्धावली
(B)	हंसराज	(II)	प्रबन्ध-संग्रह
(C)	रमानाथ झा	(III)	वर्णरत्नाकर
(D)	ज्योतिरीश्वर	(IV)	ओ जे कहलनि

निम्नलिखित विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करू:

(1) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(III), (D)-(IV)

(2) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(IV)

(3) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(III)

(4) (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(I)

1[Option ID=10885]
2[Option ID=10886]
3[Option ID=10887]
4[Option ID=10888]

Sl. No.123
QBID:181073

निम्नलिखित रचनाकेँ रचनाकारसँ मिलान करू:

सूची - I रचना		सूची - II रचनाकार	
(A)	प्रतिपदा	(I)	कीर्तिनारायण मिश्र
(B)	पूजाक फूल	(II)	चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'
(C)	हम स्तवन नहि लिखब	(III)	सुरेन्द्र झा 'सुमन'
(D)	ऋतुप्रिया	(IV)	आरसी प्रसाद सिंह

निम्नांकित विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करू:

(1) (A)-(I), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(IV)

(2) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)

(3) (A)-(IV), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(I)

(4) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

1[Option ID=10889]
2[Option ID=10890]
3[Option ID=10891]
4[Option ID=10892]

Sl. No.124
QBID:181074

निम्नलिखित रचनाकेँ रचनाकारसँ मिलान करू:

सूची - I रचना		सूची - II रचनाकार	
(A)	रामलीला	(I)	महेन्द्र मलंगिया
(B)	उगना	(II)	नचिकेता
(C)	पहिल साँझ	(III)	ईशनाथ झा
(D)	कमलाकात राम, लक्ष्मण ओ सीता	(IV)	सुधांशु 'शेखर' चौधरी

निम्नांक्ति विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करू:

(1) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

(2) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(IV)

(3) (A)-(IV), (B)-(II), (C)-(I), (D)-(III)

(4) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(II)

1[Option ID=10893]
2[Option ID=10894]
3[Option ID=10895]
4[Option ID=10896]

Sl. No.125
QBID:181075

विद्यापति कालमे तत्कालीन राजा गणेश्वरक हत्याक समय निम्न पद पर आसीन व्यक्तिक मिलान करू:

सूची - I पद	सूची - II व्यक्ति
(A) धर्माधिकारी	(I) सोमेश्वर
(B) मंत्री	(II) अखौरी केशवदास
(C) अन्तरंग सचिव	(III) आनन्द खाँ
(D) सान्धिविग्रहिक	(IV) हरिहर

निम्नसँ सही उत्तरक चयन करू:

(1) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)

(2) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)

(3) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I)

(4) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(III)

1[Option ID=10897]
2[Option ID=10898]
3[Option ID=10899]
4[Option ID=10900]

Sl. No.126
QBID:181076

पुस्तकाकार प्रकाशनक दृष्टिएँ रचनाक सही अनुक्रम अछि:

(A) एकावली-परिणय, सुभद्राहरण, उत्तरा, चाणक्य

(B) चाणक्य, उत्तरा, एकावली-परीणय, सुभद्राहरण

(C) एकावली-परिणय, सुभद्राहरण, चाणक्य, उत्तरा

(D) उत्तरा, चाणक्य, सुभद्राहरण, एकावली-परिणय

(E) सुभद्राहरण, उत्तरा, चाणक्य, एकावली-परिणय

निम्नांकित विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करू:

(1) (A)

(2) (B)

(3) (C)

(4) (D)

1[Option ID=10901]
2[Option ID=10902]
3[Option ID=10903]
4[Option ID=10904]

Sl. No.127
QBID:181077

रचनाकालक दृष्टिएँ रचनाक सही अनुक्रम अछि:

(A) अलङ्कार-मालिका, काव्यप्रकाश, अलङ्कार-दर्पण, रसगंगाधर

(B) काव्यप्रकाश, अलङ्कार-दर्पण, रसगंगाधर, अलङ्कार-मालिका

(C) काव्यप्रकाश, रसगंगाधर, अलङ्कार-दर्पण, अलङ्कार-मालिका

(D) अलङ्कार-दर्पण, काव्यप्रकाश, अलङ्कार-मालिका, रसगंगाधर

(E) रसगंगाधर, अलङ्कार-दर्पण, काव्यप्रकाश, अलङ्कार-मालिका

निम्नांकितसँ सही विकल्पक चयन करू:

(1) (A)

(2) (B)

(3) (C)

(4) (D)

1[Option ID=10905]
2[Option ID=10906]
3[Option ID=10907]
4[Option ID=10908]

Sl. No.128
QBID:181078

प्रकाशन वर्षक आधार पर निम्नलिखित रचनाक सहीक्रम अछिः

(A) विडम्बना, त्रिकोण, अश्रुकण, चन्द्रबिन्दु

(B) त्रिकोण, विडम्बना, अश्रुकण, चन्द्रबिन्दु

(C) चन्द्रबिन्दु, विडम्बना, त्रिकोण, अश्रुकण

(D) अश्रुकण, विडम्बना, त्रिकोण, चन्द्रबिन्दु

निम्नलिखित विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करू:

(1) (A)

(2) (B)

(3) (C)

(4) (D)

1[Option ID=10909]
2[Option ID=10910]
3[Option ID=10911]
4[Option ID=10912]

Sl. No.129
QBID:181079

मणिपद्क रचनाक प्रकाशन क्रम अछिः

(A) लोरिक-विजय, विद्यापति, राजा-सलहेस, फुटपाथ

(B) विद्यापति, लोरिक-विजय, राजा-सलहेस, फुटपाथ

(C) राजा-सलहेस, विद्यापति, लोरिक-विजय, फुटपाथ

(D) फुटपाथ, राजा-सलहेस, विद्यापति, लोरिक-विजय

(E) विद्यापति, फुटपाथ, लोरिक-विजय, राजा-सलहेस,

निम्नांकित विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करू:

(1) (A)

(2) (B)

(3) (C)

(4) (D)

1[Option ID=10913]
2[Option ID=10914]
3[Option ID=10915]
4[Option ID=10916]

Sl. No.130
QBID:181080

मैथिली पत्रिकाक प्रकाशनक सही क्रम अछिः

(A) स्वदेश, मिथिलामोद, मैथिली साहित्यपत्र, वैदेही

(B) वैदेही, मैथिली साहित्यपत्र, स्वदेश, मिथिलामोद

(C) मिथिलामोद, मैथिली साहित्यपत्र, स्वदेश, वैदेही

(D) मिथिलामोद, वैदेही, स्वदेश, मैथिली साहित्यपत्र

(E) मैथिली साहित्यपत्र, स्वदेश, मिथिलामोद, वैदेही

निम्नलिखित विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करू:

(1) (A)

(2) (B)

(3) (C)

(4) (D)

1[Option ID=10917]
2[Option ID=10918]
3[Option ID=10919]
4[Option ID=10920]

Sl. No.131
QBID:181081

कालक आधार पर रचनाकारक सही क्रम आछिः

(A) गोविन्द झा, बाबूराम सक्सेना, जॉन उडरफ, सुनीति कुमार चटर्जी

(B) जॉन उडरफ, सुनीति कुमार चटर्जी, बाबूराम सक्सेना, गोविन्द झा

(C) सुनीति कुमार चटर्जी, गोविन्द झा, बाबूराम सक्सेना, जॉन उडरफ

(D) बाबूराम सक्सेना, सुनीति कुमार चटर्जी, गोविन्द झा, जॉन उडरफ

(E) गोविन्द झा, सुनीति कुमार चटर्जी, जॉन उडरफ, बाबूराम सक्सेना

निम्नांकित विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करूः

(1) (D)

(2) (A)

(3) (B)

(4) (C)

1[Option ID=10921]
2[Option ID=10922]
3[Option ID=10923]
4[Option ID=10924]

Sl. No.132
QBID:181082

निम्नमे प्रतीच्य भाषाक सही अनुक्रम अछिः

(A) राजस्थानी अपभ्रंश, माड़वारी, गुजराती, राजस्थानी

(B) माड़वारी, राजस्थानी अपभ्रंश, राजस्थानी, गुजराती

(C) राजस्थानी अपभ्रंश, गुजराती, माड़वारी, राजस्थानी

(D) राजस्थानी, राजस्थानी अपभ्रंश, गुजराती, माड़वारी

निम्न देल गेल विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करूः

(1) (A)

(2) (B)

(3) (C)

(4) (D)

1[Option ID=10925]
2[Option ID=10926]
3[Option ID=10927]
4[Option ID=10928]

Sl. No.133
QBID:181083

रचनाकारक जन्मक दृष्टिएँ रचनाक सही अनुक्रम अछिः

(A) नचिकेता, रामदेव झा, महेन्द्र मलंगिया, अरविन्द 'अक्कू'

(B) अरविन्द 'अक्कू', महेन्द्र मलंगिया, रामदेव झा, नचिकेता

(C) रामदेव झा, महेन्द्र मलंगिया, नचिकेता, अरविन्द 'अक्कू'

(D) महेन्द्र मलंगिया, नचिकेता, रामदेव झा, अरविन्द 'अक्कू'

(E) नचिकेता, महेन्द्र मलंगिया, रामदेव झा, अरविन्द 'अक्कू'

निम्नांकितसँ सही विकल्पक चयन करूः

(1) (D)

(2) (B)

(3) (C)

(4) (A)

1[Option ID=10929]
2[Option ID=10930]
3[Option ID=10931]
4[Option ID=10932]

Sl. No.134
QBID:181084

रचनाक प्रकाशनक दृष्टिएं सही अनुक्रमन अछिः

(A) चित्रा, वीणा, सीमान्त, नाचू हे पृथ्वी, पयस्विनी

(B) पयस्विनी, वीणा, चित्रा, नाचू हे पृथ्वी, सीमान्त

(C) सीमान्त, वीणा, चित्रा, पयस्विनी, नाचू हे पृथ्वी

(D) चित्रा, पयस्विनी, सीमान्त, वीणा, नाचू हे पृथ्वी

(E) नाचू हे पृथ्वी, वीणा, चित्रा, सीमान्त, पयस्विनी

निम्नांकित विकल्पसँ सही विकल्पक चयन करूः

(1) (A)

(2) (D)

(3) (B)

(4) (C)

1[Option ID=10933]
2[Option ID=10934]
3[Option ID=10935]
4[Option ID=10936]

Sl. No.135
QBID:181085

कालक दृष्टिएँ चन्दा झासँ सम्बद्ध सम्पादित पोथीक सही क्रम अछिः

(A) चन्द्र पद्यावली, चन्द्र रचनावली, महेशवाणी संग्रह, साहेब रामदास गीतावली

(B) चन्द्र रचनावली, साहेब रामदास गीतावली, महेशवाणी संग्रह, चन्द्र पद्यावली

(C) साहेब रामदास गीतावली, महेशवाणी संग्रह, चन्द्र पद्यावली, चन्द्र रचनावली

(D) महेशवाणी संग्रह, चन्द्र पद्यावली, साहेब रामदास गीतावली, चन्द्र रचनावली

(E) चन्द्र रचनावली, महेशवाणी संग्रह, साहेब रामदास गीतावली, चन्द्र पद्यावली

निम्नांकित विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करूः

(1) (A)

(2) (B)

(3) (C)

(4) (D)

1[Option ID=10937]
2[Option ID=10938]
3[Option ID=10939]
4[Option ID=10940]

Sl. No.136
QBID:181086

निर्देश : प्रश्नमे दू कथन देल गेल अछि। एहिमे एक स्थापना (Assertion) (A) आ दोसर तर्क (Reason) (R) अछि।

स्थापना Assertion (A) : धयलक तहिना ओ केलि हेतु नरपति तनयाकेँ कालकेतु।
चलि सफल न किछु ककरो उपाय विधि विमुख रहथि तँ के सहाय ?

तर्क Reason (R) : कालकेतुक संग नरपति तनया स्वेच्छासँ केलि लेलं प्रस्थान कयलनि।

उपर्युक्त कथनक आधारपर देल गेल विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करूः

(1) (A) एवं (R) दुनू सही अछि आ (R), (A)केर सही व्याख्या अछि।

(2) (A) एवं (R) दुनू सही अछि आ (R), (A)केर सही व्याख्या नहि अछिः।

(3) (A) सही (R) गलत

(4) (A) गलत (R) सही

1[Option ID=10941]
2[Option ID=10942]
3[Option ID=10943]
4[Option ID=10944]

Sl. No.137
QBID:181087

निर्देश : प्रश्नमे दू कथन देल गेल अछि। एहिमे एक स्थापना (Assertion) (A) आ दोसर तर्क (Reason) (R) अछि।

स्थापना Assertion (A): सुभद्र झा निबन्धकार छलाह। हुनक प्रसिद्ध रचना 'नातिक पत्रक उत्तर' थिक। 'यात्रा प्रकरण शतक' नामक गद्य रचना सेहो बड़ प्रशंसित भेल अछि। ओ जर्मनीक संग कतोक विदेश-यात्रा कएने छथि।

तर्क Reason (R) : सुभद्र झा प्रसिद्ध भाषाविद् छलाह। 'दि फॉरमेशन ऑफ मैथिली लैंग्वेज' हुनक चर्चित भाषाविज्ञानक पोथी थिक।

उपर्युक्त कथनक आलोकमे सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पक चयन करू:

(1) (A) एवं (R) दुनू सही अछि आ (R), (A)केर सही व्याख्या अछि।

(2) (A) एवं (R) दुनू सही अछि, मुदा (R), (A)केर सही व्याख्या नहि अछि।

(3) (A) सही (R) गलत

(4) (A) गलत (R) सही

1[Option ID=10945]
2[Option ID=10946]
3[Option ID=10947]
4[Option ID=10948]

Sl. No.138
QBID:181088

निर्देश : प्रश्नमे दू कथन देल गेल अछि। एहिमे एक स्थापना (Assertion) (A) आ दोसर तर्क (Reason) (R) अछि। देल गेल विकल्पसँ सही चयन करू।

स्थापना Assertion (A) : नाटक पूर्णतः संवाद प्रधान विधा थिक जाहिमे विषय-वस्तुक प्रत्येक पक्ष संवाद माध्यमे व्यक्त होइत अछि।

तर्क Reason (R) : नाटकक प्रदर्शन लेल रंगमंच आवश्यक नहि अछि।

उपर्युक्त कथनसँ सही उत्तरक चयन करू:

(1) (A) एवं (R) दुनू सही अछि (R), (A)केर सही व्याख्या अछि।

(2) (A) एवं (R) दुनू सही अछि, किन्तु (R), (A)केर सही व्याख्या नहि अछि।

(3) (A) सही (R) गलत

(4) (A) गलत (R) सही

1[Option ID=10949]
2[Option ID=10950]
3[Option ID=10951]
4[Option ID=10952]

Sl. No.139
QBID:181089

निर्देश : प्रश्नमे दू कथन देल गेल अछि। एहिमे एक स्थापना (Assertion) (A) आ दोसर तर्क (Reason) (R) अछि।

स्थापना Assertion (A) : हे सुरसरि वन दुख निस्तार घुरब करब पूजा विस्तार।

तर्क Reason (R) : एहिमे सीताक उक्ति अछि गंगाक प्रति।

उपर्युक्त कथनक आधार पर देल गेल विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करू:

(1) (A) एवं (R) दुनू सही अछि आ (R), (A)केर सही व्याख्या अछि।

(2) (A) एवं (R) दुनू सही अछि आ (R), (A)केर सही व्याख्या नहि अछि।

(3) (A) सही (R) गलत

(4) (A) गलत (R) सही

1[Option ID=10953]
2[Option ID=10954]
3[Option ID=10955]
4[Option ID=10956]

Sl. No.140
QBID:181090

निर्देश : प्रश्नमे दू कथन देल गेल अछि। एहिमे एक स्थापना (Assertion) (A) आ दोसर तर्क (Reason) (R) अछि। देल गेल विकल्पसँ सहीक चयन करू:।

स्थापना Assertion (A): नवीन काव्य धारा मे कविता सामाजिक आन्दोलनक प्रमुख साधन अछि।

तर्क Reason (R) : नवीन काव्य धाराक कवितामे जन जागरणक स्पष्ट चित्रणक संभावना रहैत अछि।

निम्न विकल्पसँ सही उत्तरक चयन करू:

(1) (A) एवं (R) दुनू सही अछि (R), (A)केर सही व्याख्या अछि।

(2) (A) एवं (R) दुनू सही अछि, किन्तु (R), (A)केर सही व्याख्या नहि अछि।

(3) (A) सही (R) गलत

(4) (A) गलत (R) सही

1[Option ID=10957]
2[Option ID=10958]
3[Option ID=10959]
4[Option ID=10960]

Sl. No.141
QBID:181091

निर्देशः निम्न गद्यांशकेँ ध्यापपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु-विकल्पसँ सही (विकल्प)क चयन करू:

मैथिली सांस्कृतिक मिथिलाक सर्व प्राचीन भाषा थिक। ओ भारतीय आर्यभाषा परिवारक थिक। डॉ. ग्रियर्सनक अनुसार ओ नवीन भारतीय आर्यभाषाक प्राच्य समूह बिहारी (मैथिली, मगही ओ भोजपुरी) क अन्तर्गत अबैत अछि। मैथिलीक मूल मागधी अपभ्रंशमे निहित मिथिलापभ्रंश थिक। एहिसँ पूर्व ओकर प्राकृत रूप अवहट्टमे देखना जाइत अछि। काल प्रवाहमे भाषाक संग साहित्यहुक रूप ओ रंग बदलैत रहैत अछि। विद्यापति एहि काल प्रवाहक संक्रमणकालीन भाषा स्वरूपक प्रतिनिधित्व करैत छथि। एक दिस ओ संस्कृतमे 'भूपरिक्रमा', 'लिखनावली', 'पुरुष परीक्षा', 'विभागसार', 'दुर्गाभक्ति तरंगिणी' इत्यादि मिथिलापभ्रंश (अवहट्ट) मे 'कीर्तिलता' ओ 'कीर्तिपताका' एवं देसिल बयना मैथिलीमे सहस्राधिक पदावलीक रचना कएलनि। आलोच्यभाषायी सन्धिकाल 700-1,000 ई. मानल गेल अछि। सिद्ध साहित्यमे एकर पदचिह्न देखना जाइत अछि, मुदा विद्यापति परवर्ती कालक अक्षर पुरुष छलाह। सांस्कृतिक मिथिलांचलसँ तात्पर्य अछि संस्कृत साहित्य द्वारा परिकल्पित हिमालयक पाद प्रदेश एवं गंडकी, कौशिकी ओ गंगामे परिवेष्ठित भूभाग। कालान्तरमे इएह भूभाग प्रशासकीय दृष्टिएँ तीरभुक्ति कहओलक। तीरभुक्ति गुप्तकालीन परिकल्पना थिक।

सांस्कृकि मिथिलांचलसँ तात्पर्य अछिः

(1) कमलासँ

(2) तीरभुक्तिसँ

(3) बागमतीसँ

(4) जमुनासँ

1[Option ID=10961]
2[Option ID=10962]
3[Option ID=10963]
4[Option ID=10964]

Sl. No.142
QBID:181092

निर्देशः निम्न गद्यांशकेँ ध्यापपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु-विकल्पसँ सही (विकल्प)क चयन करू:

मैथिली सांस्कृतिक मिथिलाक सर्व प्राचीन भाषा थिक। ओ भारतीय आर्यभाषा परिवारक थिक। डॉ. ग्रियर्सनक अनुसार ओ नवीन भारतीय आर्यभाषाक प्राच्य समूह बिहारी (मैथिली, मगही ओ भोजपुरी) क अन्तर्गत अबैत अछि। मैथिलीक मूल मागधी अपभ्रंशमे निहित मिथिलापभ्रंश थिक। एहिसँ पूर्व ओकर प्राकृत रूप अवहट्टमे देखना जाइत अछि। काल प्रवाहमे भाषाक संग साहित्यहुक रूप ओ रंग बदलैत रहैत अछि। विद्यापति एहि काल प्रवाहक संक्रमणकालीन भाषा स्वरूपक प्रतिनिधित्व करैत छथि। एक दिस ओ संस्कृतमे 'भूपरिक्रमा', 'लिखनावली', 'पुरुष परीक्षा', 'विभागसार', 'दुर्गाभक्ति तरंगिणी' इत्यादि मिथिलापभ्रंश (अवहट्ट) मे 'कीर्तिलता' ओ 'कीर्तिपताका' एवं देसिल बयना मैथिलीमे सहस्राधिक पदावलीक रचना कएलनि। आलोच्यभाषायी सन्धिकाल 700-1,000 ई. मानल गेल अछि। सिद्ध साहित्यमे एकर पदचिह्न देखना जाइत अछि, मुदा विद्यापति परवर्ती कालक अक्षर पुरुष छलाह। सांस्कृतिक मिथिलांचलसँ तात्पर्य अछि संस्कृत साहित्य द्वारा परिकल्पित हिमालयक पाद प्रदेश एवं गंडकी, कौशिकी ओ गंगामे परिवेष्ठित भूभाग। कालान्तरमे इएह भूभाग प्रशासकीय दृष्टिएँ तीरभुक्ति कहओलक। तीरभुक्ति गुप्तकालीन परिकल्पना थिक।

मैथिलीक मूल थिकः

(1) शौरसेनी

(2) पैशाची

(3) महाराष्ट्री

(4) मिथिलापभ्रंश

1[Option ID=10965]
2[Option ID=10966]
3[Option ID=10967]
4[Option ID=10968]

Sl. No.143
QBID:181093

निर्देशः निम्न गद्यांशकेँ ध्यापपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु-विकल्पसँ सही (विकल्प)क चयन करू:

मैथिली सांस्कृतिक मिथिलाक सर्व प्राचीन भाषा थिक। ओ भारतीय आर्यभाषा परिवारक थिक। डॉ. ग्रियर्सनक अनुसार ओ नवीन भारतीय आर्यभाषाक प्राच्य समूह बिहारी (मैथिली, मगही ओ भोजपुरी) क अन्तर्गत अबैत अछि। मैथिलीक मूल मागधी अपभ्रंशमे निहित मिथिलापभ्रंश थिक। एहिसँ पूर्व ओकर प्राकृत रूप अवहट्टमे देखना जाइत अछि। काल प्रवाहमे भाषाक संग साहित्यहुक रूप ओ रंग बदलैत रहैत अछि। विद्यापति एहि काल प्रवाहक संक्रमणकालीन भाषा स्वरूपक प्रतिनिधित्व करैत छथि। एक दिस ओ संस्कृतमे 'भूपरिक्रमा', 'लिखनावली', 'पुरुष परीक्षा', 'विभागसार', 'दुर्गाभक्ति तरंगिणी' इत्यादि मिथिलापभ्रंश (अवहट्ट) मे 'कीर्तिलता' ओ 'कीर्तिपताका' एवं देसिल बयना मैथिलीमे सहस्राधिक पदावलीक रचना कएलनि। आलोच्यभाषायी सन्धिकाल 700-1,000 ई. मानल गेल अछि। सिद्ध साहित्यमे एकर पदचिह्न देखना जाइत अछि, मुदा विद्यापति परवर्ती कालक अक्षर पुरुष छलाह। सांस्कृतिक मिथिलांचलसँ तात्पर्य अछि संस्कृत साहित्य द्वारा परिकल्पित हिमालयक पाद प्रदेश एवं गंडकी, कौशिकी ओ गंगामे परिवेष्ठित भूभाग। कालान्तरमे इएह भूभाग प्रशासकीय दृष्टिएँ तीरभुक्ति कहओलक। तीरभुक्ति गुप्तकालीन परिकल्पना थिक।

देसिल बयना मैथिलीमे पदावलीक रचना कएलनिः

(1) शताधिक

(2) सहस्राधिक

(3) लक्षाधिक

(4) कोट्याधिक

1[Option ID=10969]
2[Option ID=10970]
3[Option ID=10971]
4[Option ID=10972]

Sl. No.144
QBID:181094

निर्देशः निम्न गद्यांशकेँ ध्यापपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु-विकल्पसँ सही (विकल्प)क चयन करू:

मैथिली सांस्कृतिक मिथिलाक सर्व प्राचीन भाषा थिक। ओ भारतीय आर्यभाषा परिवारक थिक। डॉ. ग्रियर्सनक अनुसार ओ नवीन भारतीय आर्यभाषाक प्राच्य समूह बिहारी (मैथिली, मगही ओ भोजपुरी) क अन्तर्गत अबैत अछि। मैथिलीक मूल मागधी अपभ्रंशमे निहित मिथिलापभ्रंश थिक। एहिसँ पूर्व ओकर प्राकृत रूप अवहट्टमे देखना जाइत अछि। काल प्रवाहमे भाषाक संग साहित्यहुक रूप ओ रंग बदलैत रहैत अछि। विद्यापति एहि काल प्रवाहक संक्रमणकालीन भाषा स्वरूपक प्रतिनिधित्व करैत छथि। एक दिस ओ संस्कृतमे 'भूपरिक्रमा', 'लिखनावली', 'पुरुष परीक्षा', 'विभागसार', 'दुर्गाभक्ति तरंगिणी' इत्यादि मिथिलापभ्रंश (अवहट्ट) मे 'कीर्तिलता' ओ 'कीर्तिपताका' एवं देसिल बयना मैथिलीमे सहस्राधिक पदावलीक रचना कएलनि। आलोच्यभाषायी सन्धिकाल 700-1,000 ई. मानल गेल अछि। सिद्ध साहित्यमे एकर पदचिह्न देखना जाइत अछि, मुदा विद्यापति परवर्ती कालक अक्षर पुरुष छलाह। सांस्कृतिक मिथिलांचलसँ तात्पर्य अछि संस्कृत साहित्य द्वारा परिकल्पित हिमालयक पाद प्रदेश एवं गंडकी, कौशिकी ओ गंगामे परिवेष्ठित भूभाग। कालान्तरमे इएह भूभाग प्रशासकीय दृष्टिएँ तीरभुक्ति कहओलक। तीरभुक्ति गुप्तकालीन परिकल्पना थिक।

विद्यापति एहि कालप्रवाहक संक्रमणकालीन प्रतिनिधित्व करैत छथिः

(1) मिथिलाभाषा स्वरूपक

(2) प्राकृत भाषा स्वरूपक

(3) भाषा-भाषी स्वरूपक

(4) भाषा स्वरूपक

1[Option ID=10973]
2[Option ID=10974]
3[Option ID=10975]
4[Option ID=10976]

Sl. No.145
QBID:181095

निर्देशः निम्न गद्यांशकेँ ध्यापपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु-विकल्पसँ सही (विकल्प)क चयन करूः

मैथिली सांस्कृतिक मिथिलाक सर्व प्राचीन भाषा थिक। ओ भारतीय आर्यभाषा परिवारक थिक। डॉ. ग्रियर्सनक अनुसार ओ नवीन भारतीय आर्यभाषाक प्राच्य समूह बिहारी (मैथिली, मगही ओ भोजपुरी) क अन्तर्गत अबैत अछि। मैथिलीक मूल मागधी अपभ्रंशमे निहित मिथिलापभ्रंश थिक। एहिसँ पूर्व ओकर प्राकृत रूप अवहट्टमे देखना जाइत अछि। काल प्रवाहमे भाषाक संग साहित्यहुक रूप ओ रंग बदलैत रहैत अछि। विद्यापति एहि काल प्रवाहक संक्रमणकालीन भाषा स्वरूपक प्रतिनिधित्व करैत छथि। एक दिस ओ संस्कृतमे 'भूपरिक्रमा', 'लिखनावली', 'पुरुष परीक्षा', 'विभागसार', 'दुर्गाभक्ति तरंगिणी' इत्यादि मिथिलापभ्रंश (अवहट्ट) मे 'कीर्तिलता' ओ 'कीर्तिपताका' एवं देसिल बयना मैथिलीमे सहस्राधिक पदावलीक रचना कएलनि। आलोच्यभाषायी सन्धिकाल 700-1,000 ई. मानल गेल अछि। सिद्ध साहित्यमे एकर पदचिह्न देखना जाइत अछि, मुदा विद्यापति परवर्ती कालक अक्षर पुरुष छलाह। सांस्कृतिक मिथिलांचलसँ तात्पर्य अछि संस्कृत साहित्य द्वारा परिकल्पित हिमालयक पाद प्रदेश एवं गंडकी, कौशिकी ओ गंगामे परिवेष्ठित भूभाग। कालान्तरमे इएह भूभाग प्रशासकीय दृष्टिएँ तीरभुक्ति कहओलक। तीरभुक्ति गुप्तकालीन परिकल्पना थिक।

सिद्ध साहित्यमे देखना जाइत अछिः

(1) एकर हस्तचिह्न

(2) एकर संकेतचिह्न

(3) एकर पदचिह्न

(4) एकर चरणचिह्न

1[Option ID=10977]
2[Option ID=10978]
3[Option ID=10979]
4[Option ID=10980]

Sl. No.146
QBID:181096

निर्देशः निम्न गद्यांशकेँ ध्यापनपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु-विकल्पसँ सही (विकल्प)क चयन करूः

बंगालमे विद्यापतिक गीतक प्रचारक सभसँ पैघ हेतु भेलाह चैतन्यदेव। विद्यापतिक जे पदावली मिथिलामे शृंगारपरक बुझल जाइत छल ओहिसँ तत्त्वदर्शी चैतन्यकेँ भक्तिक प्रेरणा भेटलनि। चैतन्यदव-सदृश भक्त जखन विद्यापतिक पदकेँ गबैत छलाह तँ आनन्दसँ मूर्च्छित भए जाइत छलाह। कृष्णदास अपन 'चरितामृत' मे कहलनि अछि जे विद्यापति, चण्डीदास ओ जयदेवक गीतसँ चैतन्यदेवकेँ अतिशय प्रसन्नता होइत छलनि।

चैतन्यदेवक पश्चात् हुनक शिष्य परम्परा ओहि गीतकेँ अपनओलनि तथा ओकर सम्मान एवं प्रचार कएलनि। राधा-कृष्ण विषयक पदकेँ ओ प्रतीक रूपेँ स्वीकार कएलनि आ ओहिमे हुनका एक महान रहस्यक बोध भेलनि। एहि तरहेँ बंगालमे विद्यापति गीतकेँ गएबाक प्रथा बढ़ितहि गेल। विद्यापतिक मन्त्रमुग्धकारी कविता बंगालीलोकनिक हृदयमे एतेक ममत्व उत्पन्न कए देलकनि जे ओ इहो बिसरि गेलाह जे विद्यापति बंगाली नहि; मैथिल छलाह। विद्यापतिक व्यापक प्रभावक फलस्वरूप बंगालमे विद्यापतिक अनुसरण पर पद-रचनाक एकटा परम्परे चलि पड़ल। एहि प्रकारेँ मैथिली आ बांग्लाक सम्मिश्रणसँ एक नूतन काव्यभाषाक जन्म भेल आ एक नवीन वैष्णव साहित्यक अभ्युदय भेल जकर नाम बांग्ला साहित्य मध्य कालान्तरेँ 'ब्रजबुलि' देल गेल।

ब्रजबुलिक उद्भव प्रसंग सामान्यतः इएह सर्वसम्मत सिद्धान्त रहल अछि। डॉ. ग्रियर्सन, डॉ.सुनीति कुमार चटर्जी, म.म. डॉ. उमेश मिश्र, डॉ. जे. सी. घोष, पं. शिवनन्दन ठाकुर प्रभृति विद्वान एकरे समर्थन कएने छथि। डॉ. सुकुमार सेन अपन ब्रजबुलि साहित्यक इतिहासमे एही मतक उल्लेख कएने छथि।

मैथिली आ बांग्लाक सम्मिश्रणसँ जन्म भेलः

(1) एक अत्याधुनिक काव्यभाषाक

(2) एक नूतन काव्यभाषाक

(3) एक प्राचीन काव्यभाषाक

(4) एक अप्रचलित काव्यभाषाक

1[Option ID=10981]
2[Option ID=10982]
3[Option ID=10983]
4[Option ID=10984]

Sl. No.147
QBID:181097

निर्देशः निम्न गद्यांशकेँ ध्यापनपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु-विकल्पसँ सही (विकल्प)क चयन करूः

बंगालमे विद्यापतिक गीतक प्रचारक सभसँ पैघ हेतु भेलाह चैतन्यदेव। विद्यापतिक जे पदावली मिथिलामे शृंगारपरक बुझल जाइत छल ओहिसँ तत्त्वदर्शी चैतन्यकेँ भक्तिक प्रेरणा भेटलनि। चैतन्यदव-सदृश भक्त जखन विद्यापतिक पदकेँ गबैत छलाह तँ आनन्दसँ मूर्च्छित भए जाइत छलाह। कृष्णदास अपन 'चरितामृत' मे कहलनि अछि जे विद्यापति, चण्डीदास ओ जयदेवक गीतसँ चैतन्यदेवकेँ अतिशय प्रसन्नता होइत छलनि।

चैतन्यदेवक पश्चात् हुनक शिष्य परम्परा ओहि गीतकेँ अपनओलनि तथा ओकर सम्मान एवं प्रचार कएलनि। राधा-कृष्ण विषयक पदकेँ ओ प्रतीक रूपेँ स्वीकार कएलनि आ ओहिमे हुनका एक महान रहस्यक बोध भेलनि। एहि तरहेँ बंगालमे विद्यापति गीतकेँ गएबाक प्रथा बढ़ितहि गेल। विद्यापतिक मन्त्रमुग्धकारी कविता बंगालीलोकनिक हृदयमे एतेक ममत्व उत्पन्न कए देलकनि जे ओ इहो बिसरि गेलाह जे विद्यापति बंगाली नहि; मैथिल छलाह। विद्यापतिक व्यापक प्रभावक फलस्वरूप बंगालमे विद्यापतिक अनुसरण पर पद-रचनाक एकटा परम्परे चलि पड़ल। एहि प्रकारेँ मैथिली आ बांग्लाक सम्मिश्रणसँ एक नूतन काव्यभाषाक जन्म भेल आ एक नवीन वैष्णव साहित्यक अभ्युदय भेल जकर नाम बांग्ला साहित्य मध्य कालान्तरेँ 'ब्रजबुलि' देल गेल।

ब्रजबुलिक उद्भव प्रसंग सामान्यतः इएह सर्वसम्मत सिद्धान्त रहल अछि। डॉ. ग्रियर्सन, डॉ.सुनीति कुमार चटर्जी, म.म. डॉ. उमेश मिश्र, डॉ. जे. सी. घोष, पं. शिवनन्दन ठाकुर प्रभृति विद्वान एकरे समर्थन कएने छथि। डॉ. सुकुमार सेन अपन ब्रजबुलि साहित्यक इतिहासमे एही मतक उल्लेख कएने छथि।

विद्यापतिक पद गाबि मूर्च्छित भए जाइत छलाहः

(1) शंकरदेव

(2) नान्यदेव

(3) जयदेव

(4) चैतन्यदेव

1[Option ID=10985]
2[Option ID=10986]
3[Option ID=10987]
4[Option ID=10988]

Sl. No.148
QBID:181098

निर्देशः निम्न गद्यांशकेँ ध्यापनपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु-विकल्पसँ सही (विकल्प)क चयन करूः

बंगालमे विद्यापतिक गीतक प्रचारक सभसँ पैघ हेतु भेलाह चैतन्यदेव। विद्यापतिक जे पदावली मिथिलामे शृंगारपरक बुझल जाइत छल ओहिसँ तत्त्वदर्शी चैतन्यकेँ भक्तिक प्रेरणा भेटलनि। चैतन्यदव-सदृश भक्त जखन विद्यापतिक पदकेँ गबैत छलाह तँ आनन्दसँ मूर्च्छित भए जाइत छलाह। कृष्णदास अपन 'चरितामृत' मे कहलनि अछि जे विद्यापति, चण्डीदास ओ जयदेवक गीतसँ चैतन्यदेवकेँ अतिशय प्रसन्नता होइत छलनि।

चैतन्यदेवक पश्चात् हुनक शिष्य परम्परा ओहि गीतकेँ अपनओलनि तथा ओकर सम्मान एवं प्रचार कएलनि। राधा-कृष्ण विषयक पदकेँ ओ प्रतीक रूपेँ स्वीकार कएलनि आ ओहिमे हुनका एक महान रहस्यक बोध भेलनि। एहि तरहेँ बंगालमे विद्यापति गीतकेँ गएबाक प्रथा बढ़ितहि गेल। विद्यापतिक मन्त्रमुग्धकारी कविता बंगालीलोकनिक हृदयमे एतेक ममत्व उत्पन्न कए देलकनि जे ओ इहो बिसरि गेलाह जे विद्यापति बंगाली नहि; मैथिल छलाह। विद्यापतिक व्यापक प्रभावक फलस्वरूप बंगालमे विद्यापतिक अनुसरण पर पद-रचनाक एकटा परम्परे चलि पड़ल। एहि प्रकारेँ मैथिली आ बांग्लाक सम्मिश्रणसँ एक नूतन काव्यभाषाक जन्म भेल आ एक नवीन वैष्णव साहित्यक अभ्युदय भेल जकर नाम बांग्ला साहित्य मध्य कालान्तरेँ 'ब्रजबुलि' देल गेल।

ब्रजबुलिक उद्भव प्रसंग सामान्यतः इएह सर्वसम्मत सिद्धान्त रहल अछि। डॉ. ग्रियर्सन, डॉ.सुनीति कुमार चटर्जी, म.म. डॉ. उमेश मिश्र, डॉ. जे. सी. घोष, पं. शिवनन्दन ठाकुर प्रभृति विद्वान एकरे समर्थन कएने छथि। डॉ. सुकुमार सेन अपन ब्रजबुलि साहित्यक इतिहासमे एही मतक उल्लेख कएने छथि।

तत्त्वदर्शी चैतन्यदेवकेँ प्रेरणा भेटलनिः

(1) अनुरक्तिक

(2) अनुरक्तिक

(3) भक्तिक

(4) शक्तिक

1[Option ID=10989]
2[Option ID=10990]
3[Option ID=10991]
4[Option ID=10992]

Sl. No.149
QBID:181099

निर्देशः निम्न गद्यांशकेँ ध्यापनपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु-विकल्पसँ सही (विकल्प)क चयन करूः

बंगालमे विद्यापतिक गीतक प्रचारक सभसँ पैघ हेतु भेलाह चैतन्यदेव। विद्यापतिक जे पदावली मिथिलामे शृंगारपरक बुझल जाइत छल ओहिसँ तत्त्वदर्शी चैतन्यकेँ भक्तिक प्रेरणा भेटलनि। चैतन्यदव-सदृश भक्त जखन विद्यापतिक पदकेँ गबैत छलाह तँ आनन्दसँ मूर्च्छित भए जाइत छलाह। कृष्णदास अपन 'चरितामृत' मे कहलनि अछि जे विद्यापति, चण्डीदास ओ जयदेवक गीतसँ चैतन्यदेवकेँ अतिशय प्रसन्नता होइत छलनि।

चैतन्यदेवक पश्चात् हुनक शिष्य परम्परा ओहि गीतकेँ अपनओलनि तथा ओकर सम्मान एवं प्रचार कएलनि। राधा-कृष्ण विषयक पदकेँ ओ प्रतीक रूपेँ स्वीकार कएलनि आ ओहिमे हुनका एक महान रहस्यक बोध भेलनि। एहि तरहेँ बंगालमे विद्यापति गीतकेँ गएबाक प्रथा बढ़ितहि गेल। विद्यापतिक मन्त्रमुग्धकारी कविता बंगालीलोकनिक हृदयमे एतेक ममत्व उत्पन्न कए देलकनि जे ओ इहो बिसरि गेलाह जे विद्यापति बंगाली नहि; मैथिल छलाह। विद्यापतिक व्यापक प्रभावक फलस्वरूप बंगालमे विद्यापतिक अनुसरण पर पद-रचनाक एकटा परम्परे चलि पड़ल। एहि प्रकारेँ मैथिली आ बांग्लाक सम्मिश्रणसँ एक नूतन काव्यभाषाक जन्म भेल आ एक नवीन वैष्णव साहित्यक अभ्युदय भेल जकर नाम बांग्ला साहित्य मध्य कालान्तरेँ 'ब्रजबुलि' देल गेल।

ब्रजबुलिक उद्भव प्रसंग सामान्यतः इएह सर्वसम्मत सिद्धान्त रहल अछि। डॉ. ग्रियर्सन, डॉ.सुनीति कुमार चटर्जी, म.म. डॉ. उमेश मिश्र, डॉ. जे. सी. घोष, पं. शिवनन्दन ठाकुर प्रभृति विद्वान एकरे समर्थन कएने छथि। डॉ. सुकुमार सेन अपन ब्रजबुलि साहित्यक इतिहासमे एही मतक उल्लेख कएने छथि।

राधा-कृष्ण विषयक पदकेँ स्वीकार कएलनिः

(1) पुरस्कार रूपेँ

(2) पुरस्कार रूपेँ

(3) उपहार रूपेँ

(4) प्रतीक रूपेँ

1[Option ID=10993]
2[Option ID=10994]
3[Option ID=10995]
4[Option ID=10996]

Sl. No.150
QBID:181100

निर्देशः निम्न गद्यांशकेँ ध्यापनपूर्वक पढ़ि एहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावलीक उत्तर देबा लेल बहु-विकल्पसँ सही (विकल्प)क चयन करूः

बंगालमे विद्यापतिक गीतक प्रचारक सभसँ पैघ हेतु भेलाह चैतन्यदेव। विद्यापतिक जे पदावली मिथिलामे शृंगारपरक बुझल जाइत छल ओहिसँ तत्त्वदर्शी चैतन्यकेँ भक्तिक प्रेरणा भेटलनि। चैतन्यदव-सदृश भक्त जखन विद्यापतिक पदकेँ गबैत छलाह तँ आनन्दसँ मूर्च्छित भए जाइत छलाह। कृष्णदास अपन 'चरितामृत' मे कहलनि अछि जे विद्यापति, चण्डीदास ओ जयदेवक गीतसँ चैतन्यदेवकेँ अतिशय प्रसन्नता होइत छलनि।

चैतन्यदेवक पश्चात् हुनक शिष्य परम्परा ओहि गीतकेँ अपनओलनि तथा ओकर सम्मान एवं प्रचार कएलनि। राधा-कृष्ण विषयक पदकेँ ओ प्रतीक रूपेँ स्वीकार कएलनि आ ओहिमे हुनका एक महान रहस्यक बोध भेलनि। एहि तरहेँ बंगालमे विद्यापति गीतकेँ गएबाक प्रथा बढ़ितहि गेल। विद्यापतिक मन्त्रमुग्धकारी कविता बंगालीलोकनिक हृदयमे एतेक ममत्व उत्पन्न कए देलकनि जे ओ इहो बिसरि गेलाह जे विद्यापति बंगाली नहि; मैथिल छलाह। विद्यापतिक व्यापक प्रभावक फलस्वरूप बंगालमे विद्यापतिक अनुसरण पर पद-रचनाक एकटा परम्परे चलि पड़ल। एहि प्रकारेँ मैथिली आ बांग्लाक सम्मिश्रणसँ एक नूतन काव्यभाषाक जन्म भेल आ एक नवीन वैष्णव साहित्यक अभ्युदय भेल जकर नाम बांग्ला साहित्य मध्य कालान्तरेँ 'ब्रजबुलि' देल गेल।

ब्रजबुलिक उद्भव प्रसंग सामान्यतः इएह सर्वसम्मत सिद्धान्त रहल अछि। डॉ. ग्रियर्सन, डॉ.सुनीति कुमार चटर्जी, म.म. डॉ. उमेश मिश्र, डॉ. जे. सी. घोष, पं. शिवनन्दन ठाकुर प्रभृति विद्वान एकरे समर्थन कएने छथि। डॉ. सुकुमार सेन अपन ब्रजबुलि साहित्यक इतिहासमे एही मतक उल्लेख कएने छथि।

चैतन्यदेवक पश्चात् ओहि गीतकेँ अपनओलनिः

(1) हुनक भक्तगण

(2) हुनक शिष्य परम्परा

(3) हुनक समकालीन साहित्यकारगण

(4) हुनक परवर्ती कविगण

1[Option ID=10997]
2[Option ID=10998]
3[Option ID=10999]
4[Option ID=11000]